आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 23 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 124
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

कचरे से किया कमाल, स्वच्छता मॉडल बना पहचान

पेज-2

आईपीएल में वापसी के लिए श्रेयस को बढ़ाना पड़ा वजन

पेज-5

व्यवस्था सवालों में : शहर में गहराता जलसंकट

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाई अड्डे पर विमान की ट्रक से टक्कर
- बिहार बोर्ड : क्लास 12 के नतीजे दोपहर 1:30 बजे घोषित किए जाएंगे
- यूपी : लखनऊ में आज कैबिनेट मीटिंग, लोकभवन में 11 बजे योगी सरकार की बड़ी बैठक
- मिडिल ईस्ट संकट : रुपया गिरकर 93.89 रुपये प्रति डॉलर के नए निचले स्तर पर पहुंचा
- मिडिल ईस्ट तनाव : निफ्टी 400 अंक टूटा, सेंसेक्स 1600 अंक गिरा
- मिडिल ईस्ट तनाव : सोना 5 फीसदी और चांदी 6 फीसदी नीचे गिरी
- ईरान जंग से शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 73 हजार के नीचे, निफ्टी भी धड़ाम
- प्रशांत महासागर में 6.1 तीव्रता का भूकंप

वाराणसी : गंगा इफ्तार पार्टी के 14 आरोपियों की जमानत याचिका पर आज होगी

साहब! इंदौर में भी आपकी सर्जरी की दरकार

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत
मध्यप्रदेश की सत्ता में इन दिनों प्रशासनिक सख्ती का नया अध्याय लिखा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिस तरह से लापरवाह और मनमानी करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की है, उसे राजनीतिक गलियारों में 'मोहन सर्जरी' नाम दिया जा रहा है। इस सर्जरी का संदेश साफ है—अब कुर्सी सेवा के लिए है, सत्ता प्रदर्शन के लिए नहीं।

सख्ती का नया दौर : हाल के दिनों में कई जिलों में अधिकारियों पर गाज गिरना यह संकेत देता है कि सरकार अब फील्ड में काम दिखाना चाहती है, सिर्फ फाइलों में नहीं। बिना सूचना गायब रहने वाले, जनता की शिकायतों को टालने वाले और विकास कार्यों में ढिलाई बरतने वाले अफसरों को सीधे हटाया जा रहा है।

जनता तो ठीक जनप्रतिनिधि के फोन नहीं उठाते...

सूत्रों के अनुसार इंदौर के प्रशासन और पुलिस से जुड़े अधिकांश अधिकारियों के फोन नहीं उठाने की शिकायत अब आम हो चली है। आम जनता के फोन नहीं उठाने तो बहुत सामान्य सी बात है यहां के कतिपय मदमस्त अधिकारियों की स्थिति यह है वे जनप्रतिनिधियों का फोन भी नहीं उठाते है। इन अधिकारियों के पास इसके लिए एक वजह कह लो या बहाना कह लो बहुत स्पष्ट है कि मीटिंग चल रहीं थी। जिस तरह मुख्यमंत्री ने नायक स्टाइल में फोन नहीं उठाने कर सीधी कलेक्टर को हटाया अगर ऐसी शैली मुख्यमंत्री उनके प्रभार जिले इंदौर में अपनाएं तो शायद आधे से अधिक अधिकारी नप जायेंगें।

इंदौर में क्या हाल?
मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर जो अपनी स्वच्छता और स्मार्ट सिटी मॉडल के लिए देशभर में पहचान रखता है, वहीं दूसरी तरफ कई विभागों में अफसरों की कार्यशैली पर सवाल भी उठते रहे हैं।

कलेक्टर शिवम वर्मा की इतनी सख्ती के बाद और अनेक स्तर की कार्रवाई के बाद भी प्रशासन की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले तहसीलदार, पटवारी और राजस्व निरीक्षक की लापरवाहियों थमने का नाम नहीं ले रही है। प्रशासनिक संकुल के कुछ अधिकारी अपने आईएएस के दंभ में इतने मदमस्त में है कि उन्हें जनता की समस्या से कोई सरोकार नहीं है। अब इस संकुल में अहम नाम का कीड़ा इतना फैल गया है कि मलाईदार फाइलों को लेकर खुलेआम शब्दों के बाण चल रहे है और कलेक्टर को मजबूत होकर प्रभारों में बदलाव करने कर मजबूर होना पड़ रहा है।

लोगो के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी जिस विभाग पर है, उस विभाग में बरसो से जमे अधिकारी का क्या खेल चल रहा है, यह इंदौर का हर व्यापारी जानता है। मीठी वाणी का शिकार आम जनता नकली खाने को मजबूर है, लेकिन अपने उच्च स्तर के कनेक्शन का सहारा लेकर ऐसे अधिकारी जनता की समस्या को छोड़कर अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए है। ट्रैफिक और अतिक्रमण को लेकर चल रहे अभियान केवल हेलमेट पर चालानी कार्रवाई कर रुक जाते हैं, साथ ही फोटो खिंचते हैं, लेकिन कुछ ही दिनों में हालात फिर पुराने जैसे हो जाते हैं।

जनता की मूलभूत समस्या से जुड़े नगर निगम से जनता सबसे ज्यादा त्रस्त है। इसलिए यहां स्ट्राइक की आवश्यकता है। यहां जनता के काम बिना सेवा शुल्क के कराना संभव नहीं है। यहां के अधिकारियों बरसों से एक ही पद पर जमे हुए है, जो बाहर से आते है, उनको यहां की सेवा इतनी रास आ जाती है कि वे हटना पसंद नहीं करते है। बड़े- बड़े खेल में तो अमला खेल खेलता ही है, लेकिन छोटे-छोटे खेलों में कैसे बाजीगरी की जा सकती है, यह तो निगम के अमले से बेहतर कोई नहीं बता सकता है।

क्या 'मोहन सर्जरी' इंदौर पहुंचेगी ?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यही सख्ती लगातार जारी रही, तो इंदौर के 'आरामतलब' और 'प्रभावशाली' अधिकारी भी इसके दायरे में आ सकते हैं। खासतौर पर वे अधिकारी जो वर्षों से एक ही जगह जमे हैं और सिस्टम को अपनी सुविधा से चला रहे हैं।
जनता की उम्मीदें : *इंदौर की जनता अब सिर्फ स्वच्छता में नंबर-1 नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही में भी नंबर-1 देखना चाहती है। 'मोहन सर्जरी' से उम्मीद है कि फाइलों की गति तेज होगी। भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और अफसरों का रवैया 'सरकारी' से 'जनसेवक' वाला बनेगा।*

सोलर सिटी से ग्रीन स्लम तक सबमें खामी

बजट को बनाया था 'विजन' नहीं हो पाया इस पर 'एक्शन'

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● महापौर द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट 28 मार्च को पेश किया जाना है, लेकिन उससे पहले वर्ष 2024-25 के 8302.46 करोड़ रुपए के बजट की हकीकत अब सवालों के घेरे में है। उस समय किए गए बड़े-बड़े वादों में से कई या ही सिमट गए या फिर धीमी तो फाइलों में ही गति से आगे बढ़ पाए।

सबसे बड़ा उदाहरण 478 करोड़ रुपए की लागत से 23 मास्टर प्लान सड़कों के निर्माण का है, जिसमें से केवल 10 पर ही काम शुरू हो सका। इसी तरह 3आर (रिड्यूस, रीयूज, रिसायकल) मॉडल के तहत 85 वार्डों में थैला बैंक, बर्तन बैंक और टेरेस गार्डन जैसी नवाचारी योजनाएं कागजों में ही सीमित रह गई। रूफटॉप गार्डन प्रतियोगिता का वादा भी पूरा नहीं हुआ।

नहीं हो पाया शहर सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त : शहर को ग्रीन बनाने की दिशा में 30 स्लम बस्तियों को 'ग्रीन स्लम' विकसित करने और 4 आर गार्डन बनाने का लक्ष्य भी अधूरा रह गया। सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त शहर का संकल्प भी धरातल पर नहीं उतर

पाया-आज भी गली-मोहल्लों में प्लास्टिक का उपयोग खुलेआम जारी है। यातायात सुधार के तहत 19 चौराहों पर 'इंजन बंद' अभियान की बात कही गई थी, लेकिन यह पहल कहीं नजर नहीं आई। वहीं बिलावली तालाब में बोटिंग और जल क्रीड़ा गतिविधियां शुरू करने की घोषणा भी अब तक अधूरी है।

सोलर और डिजिटल सपनों पर भी ब्रेक इंदौर को 'सोलर सिटी' बनाने के नगर पालिक निगम, कन्ट्रोल रूम लिए हर वार्ड में एक कॉलोनी को पूरी तरह सोलर बेस्ड करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन एक भी वार्ड में यह योजना लागू नहीं हो सकी। शासकीय भवनों पर सोलर पैनल लगाने के लिए सलाहकार तक का चयन नहीं हो पाया।

डिजिटल सिटी के तहत 150 चौराहों पर फ्री वाई-फाई, निगम कार्यालयों का डिजिटाइजेशन, और क्यूआर कोड आधारित डिजिटल एड्रेस जैसी योजनाएं भी कागजों से बाहर नहीं आ सकीं। 'एक शहर-एक आईडी-एक कर' जैसी महत्वाकांक्षी योजना भी लागू नहीं हो पाई।

कुछ काम जरूर हुए, पर रफ्तार धीमी : हालांकि बैकलाइन ट्रांसफॉर्मेशन जैसे कुछ कार्य निगम द्वारा किए जा रहे हैं, लेकिन उनकी गति काफी धीमी बताई जा रही है। पिछले बजट की अधूरी घोषणाओं के बीच अब सभी की नजर 28 मार्च को पेश होने वाले नए बजट पर टिकी है। सवाल यही है-क्या इस बार घोषणाएं जमीन पर उतरेंगी या फिर एक और 'कागजी बजट' सामने आएगा?

रसोई हुई महंगी, तेल के दामों में आ सकता है उछाल

- लोकल कंपनी ने साबुन-सोड़ा में 20 फीसदी तक इजाफा, 1 अप्रैल से बड़ी कंपनियां बढ़ा सकती है दाम
- फरवरी से मार्च के बीच में तेल के प्रति जार 300 रुपए तक बढ़े

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश में बड़ी मात्रा में ईरान और अफगानिस्तान से ड्राई फ्रूट्स का आयात होता है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण ईरान के प्रमुख बंदरगाहों से सप्लाई प्रभावित हो रही है। इसका सीधा असर भारतीय बाजारों सहित इंदौर में कीमतों पर देखने को मिल रहा है। कुल मिलाकर ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव का असर अब बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय हालात के कारण ईरान के बंदरगाहों पर बड़ी मात्रा में माल अटका हुआ है। किराना और ड्राई फ्रूट बाजार में पिछले कुछ दिनों में कई उत्पादों के भाव तेजी से बढ़े हैं।

खाद आपूर्ति संकट से बढ़ेगी खाद्य महंगाई : युद्ध का असर सिर्फ ऊर्जा तक सीमित नहीं है। यदि यह स्थिति लंबी चली तो खेती की लागत भी बढ़ सकती है। इसका सीधा असर खाद्य कीमतों पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों की माने तो आने वाले महीनों में खाद्य संकट और महंगाई दोनों बढ़ सकते हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव और गहरा सकता है।

साबुन-सोड़ा में 20 प्रतिशत तक का इजाफा : व्यापारियों के अनुसार भारत में सामान्यत: छह महीने से एक साल तक का स्टॉक रहता है। इसी वजह से अभी बाजार पूरी तरह अस्थिर नहीं हुआ है, लेकिन आयात प्रभावित होने पर आने वाले समय में कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर दो महीने में तेल में 20 से 30 रुपए किलो तक की बढ़ोत्तरी, प्रति जार (13 किलो) 250 से 300 रुपए तक की बढ़ोत्तरी हुई है। अप्रैल तक तेल में 100 से 150 रुपए तक का उछाल आ सकता है। वहीं लोकल कंपनी ने साबुन-सोड़ा में 20 प्रतिशत का इजाफा किया है।

ड्राई फ्रूट में 100 से 200 रुपए तक की तेजी : व्यापारियों का कहना हैं कि काजू की आवक तंजानिया और अफ्रीका से कम होने के कारण उसमें भी हल्की तेजी देखने को मिल रही है। कहीं खजूर की सप्लाई ईरान और सऊदी अरब से कम आने के कारण 100 से 200 रुपए प्रति किलो तक अप्रैल तक महंगा होने का अनुमान है। इसके अलावा शाहजीरा, अंजीर, मुनक्का, किशमिश और अन्य आयातित मसालों में भी तेजी की संभावना है। संभवत : अप्रैल में तेजी अधिक देखने को मिल सकती है। ड्राई फ्रूट्स व्यापारियों का कहना हैं कि यदि अंतर्राष्ट्रीय तनाव लंबे समय तक बना रहता है तो बाजार में स्टॉक कम हो सकता है, जिससे कीमतों में ओर बढ़ोत्तरी हो सकती है। खासकर शादी और त्योहारों के सीजन में सूखे मेवों की मांग बढ़ने से आम उपभोक्ताओं की जेब पर इसका असर पड़ सकता है।

नई राह... प्रदेशभर के अपने पिता स्व. अर्जुन सिंह के समर्थकों से मिल रहे हैं

पुराने कांग्रेसियों को एकजुट करने निकले अजय सिंह

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

चुरहट ● पूर्व नेता प्रतिपक्ष और सीधी जिले की चुरहट सीट से सात बार के कांग्रेस विधायक अजय सिंह, राहुल इन दिनों पुराने कांग्रेसियों को फिर से सक्रिय करने में लगे हैं। इसके लिए वे प्रदेश भर में दौरे पर निकले हैं। अजय सिंह ने पिछले महीने चार दिनों तक चंबल का दौरा किया। इसके बाद उन्होंने बुंदेलखंड का दौरा किया है। उनके इस तरह से सक्रिय होने के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं, हालांकि अजय सिंह का कहना है कि वे सिर्फ कांग्रेस को मजबूत करने और पुराने नेताओं की सक्रियता बढ़ाने निकले हैं ताकि 2028 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन सके।

गत सप्ताह बुन्देलखंड के दौरे पर निकले अजय सिंह ने ओरछा में रामराजा सरकार के दर्शन किए। इसके बाद वे निवाड़ी पहुंचे। यहां मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि मैं फुर्सत में हूं,

सोचा यही करूं। अजय सिंह ने निवाड़ी में कहा कि जो कांग्रेसी घर में बैठे हैं उन्हें जोड़ने के लिए मैं यह यात्रा कर रहा हूं। अजय सिंह राहुल अपने पिता और स्वर्गीय अर्जुन सिंह से जुड़े पुराने कांग्रेसियों से मिल रहे हैं। मंचीय कार्यक्रमों के बजाए वे सिर्फ जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मेल-मुलाकातें कर रहे हैं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के घर जाकर मिल रहे हैं। अजय सिंह बीते फरवरी के महीने तक चंबल अंचल में घूमे। ग्वालियर से लेकर मुरैना, भिंड और दतिया जिले में वे पुराने कांग्रेसियों से मिले। विंध्य क्षेत्र से लगे बुन्देलखंड में अर्जुन सिंह के जमाने से कई कद्दावर कांग्रेसी अजय सिंह से जुड़े रहे हैं।

कल से शुरू होंगे कांग्रेस के टैलेंट हंट प्रोग्राम के इंटरव्यू

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग द्वारा संचालित टैलेंट हंट प्रोग्राम के अंतर्गत मप्र कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में टैलेंट हंट के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के लिए इंटरव्यू 24 मार्च से शुरू होंगे। यह इंटरव्यू प्रदेश के 5 जोन-भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा एवं इंदौर में जाएंगे। इसके प्रथम चरण में 24 मार्च को सुबह 10 बजे से जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय ग्वालियर में ग्वालियर-चंबल संभाग के आवेदकों के साक्षात्कार होंगे। 25 मार्च को भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सुबह 10 बजे से भोपाल संभाग के साक्षात्कार होंगे। ऐसे ही 26 मार्च को नर्मदापुरम एवं सागर संभाग के आवेदकों के साक्षात्कार भोपाल स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित किए जाएंगे। द्वितीय चरण में इंदौर, रीवा एवं जबलपुर मुख्यालय पर आयोजित होने वाले साक्षात्कारों की तारीखें जल्द घोषित की जाएंगी। मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के माध्यम से विचारशील, ऊर्जावान एवं ओजस्वी वक्ताओं, शोधकर्ताओं और पब्लिसिटी से जुड़े प्रतिभाशाली युवाओं की खोज की जा रही है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात मप्र कांग्रेस कमेटी एवं एआईसीसी को अत्यंत प्रतिभाशाली प्रवक्ता एवं मीडिया से जुड़े दक्ष कार्यकर्ता प्राप्त होंगे।

पवैया की नियुक्ति ने जगाई आस, अन्य आयोगों में जल्द हो सकती है नेताओं की ताजपोशी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● पूर्व मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जयभान सिंह पवैया के राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष बनते ही भाजपा के अन्य सीनियर नेताओं में उम्मीद जाग उठी है। ये नेता लंबे समय से निगम मंडल, प्राधिकरण या फिर आयोगों में पद मिलने का इंतजार कर रहे हैं। पवैया की नियुक्ति के बाद माना जा रहा है कि सरकार निगम मंडलों में नियुक्ति भले ही कुछ समय बाद करे पर खाली पड़े आयोगों में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति अब वह जल्द कर सकती है। इसके लिए विचार मंथन की प्रक्रिया चल रही है।

गौरतलब है कि डॉक्टर मोहन यादव की सरकार को सवा दो साल से अधिक का समय पूरा हो चुका है पर इक्का, दुक्का नियुक्तियों को छोड़ दें तो अधिकांश निगम मंडल और आयोगों में अध्यक्ष और सदस्यों के पद रिक्त पड़े हैं। वहीं प्राधिकरणों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के पद भी खाली है। पिछले दो सालों में सरकार ने केवल इक्का दुक्का आयोगों में ही नियुक्तियां की है। अधिकांश आयोग खाली हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण राज्य महिला आयोग है। यहां कानूनी पेचीदगियों के चलते अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति न होने से हजारों मामले सुनवाई के लिए लंबित है। इसके अलावा राज्य अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, कृषक आयोग, राज्य अल्पसंख्यक आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग, बाल अधिकार संरक्षण आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति अब तक नहीं हो पाई हैं। पवैया की नियुक्ति के बाद यह माना जा रहा है कि अब जल्द ही सरकार अन्य आयोगों में नियुक्ति कर सकती है।

न्यूज ब्रीफ

नमन सचिव नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे की अनुशंसा पर युवा नमन छाबड़ा को शहर सचिव नियुक्त किया। नियुक्ति पर मित्रजनों ने बधाई दी वही नमन ने वरिष्ठों का आभार माना।

डॉ आर एन मिश्रा एक बार पुनः अध्यक्ष नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वैकल्पिक चिकित्सक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अभिमन्यु सिंह ने इंदौर में इंदौर का जिला अध्यक्ष डॉ आर एन मिश्रा को एक बार पुनः नियुक्त किया। डॉ आर एन मिश्रा लगातार तीसरी बार इंदौर के जिला अध्यक्ष बने है। इस नियुक्ति पर प्रदेश महामंत्री डॉ दीपक परसैया जी डॉ नीलम विश्वकर्मा जी डॉ एस पी सिंह डॉ सुनील दत्त डॉ सी आर शर्मा डॉ नंदलाल बिजवा डॉ सर्वेश मिश्रा डॉ पवन गुप्ता डॉ मुकेश जाट डॉ अशोक सिंह डॉ निलेश दुबे, डॉ संतोष वर्मा, डॉ मोनिका निकम, डॉ प्रिया सोलंकी, डॉ राजू राठौर, डॉ कमलजीत होरा, डॉ देशमुख डॉ एस पी पाठक, डॉ अफसर पालवाला, डॉ काईद जोहर, डॉ संदीप वर्मन, डॉ ललित सिकरवार डॉ अरविंद विश्वास, डॉ मनोज खत्री, डॉ दीपमाला, डॉ अशोक सिंह, डॉ उमाशंकर वर्मा, डॉ सुखचेन झरिया, डॉ दीपमाला, डॉ नरेंद्र सिंह सहित सैकड़ों चिकित्सकों ने बधाई दी।

मदनलाल बंम का जन्म दिन हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इन्दौर समाचार के प्रबंधक वरिष्ठ मदनलाल बंम 89 वां जन्म दिवस वरिष्ठ नागरिक के प्रभुजनो के बीच 22 मार्च को विभिन्न धार्मिक बंधुजनों के साथ बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्व . सुरेश सेठ विचार मंच के अध्यक्ष कमल साबू एवं इन्दौर समाचार के पत्रकार हीरालाल वर्मा ने बताया कि श्री बम को बधाई देने हेतु सुबह साकेत गार्डन में सभी बुद्धि जीवी पत्रकार कलम के सिपाही एवं इन इंदौर समाचार के प्रधान संपादक विवेक सेठ सहित ललित भावसार अर्जुन केसरिया राजेश पीड़ित मुनेन्द्र शर्मा पेंटर सोलंकी, ज्ञानी रायकवार सुधीर वर्मा राहुल निहोरे हरि मरमट अब्दुल भाई सहित कई पत्रकार काफी संख्या में उपस्थित थे।

बिल्डर ने आईएएस पर लगाए आरोप, काम कराने रिटायर्ड आईएएस से भी लगाई एप्रोच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के तिरूमाला ग्रुप के मालिक निलेश मालपानी ने एक विवादित पोस्ट डाली है। इसमें इंदौर के पूर्व अपर कलेक्टर और आईएएस कैलाश वानखेड़े को लेकर आरोप लगाए। सरकारी सिस्टम में फैले भ्रष्टाचार की बात कही गई है और आरोप लगाए गए हैं कि अधिकारी महीनों फाइल को दबाए बैठे रहते हैं। लाखों रुपए की मांग की जाती है।

यह है पूरा मामला, मालपानी से मांगी थी जानकारी–मालपानी के भाई मनोज मालपानी ने लाइसेंस के लिए आवेदन किया हुआ है। आवेदन पर दिसंबर 2025 से ही सर्वर से आटोमेटिक जनरेटिक क्ववेरी चल रही है। आवेद को 30 दिसंबर को फिर 23 जनवरी को और 29 जनवरी, 5 मार्च व 13 मार्च को जानकारियां मांगी गई। इसमें पहले कंपनी के पूर्व के कामों, सर्टिफिकेट की जानकारी मांगी गई। आवेदक फर्म शुभ लाभ रियलिटी लिमिटेड के पूर्व के कामों की जानकारी चाही गई। इनकी जानकारी बार-बार मांगी गई।

रिटायर्ड आईएएस रिश्तेदार से लगाई एप्रोच–लाइसेंस का काम अटकने पर मालपानी द्वारा अपने रिश्तेदार रिटायर्ड आएएस जेएम मालपानी से भी एप्रोच लगवाई गई। इनके द्वारा वानखेड़े से मुलाकात की गई और फोन भी लगाया गया। लेकिन तब हाईकोर्ट केस में व्यस्त होने से वानखेड़े ने कहा कि अधीनस्थों को इस काम में जल्द कागज पूरे कर, कार्रवाई के आदेश दे दिए हैं। इसे तीन-चार दिन बाद ही देख पाउंगा। यह बात मालपानी को अखर गई। इसके बाद निलेश मालपानी द्वारा यह पोस्ट लिखी गई।

यह लिखा मालपानी ने

मालवपानी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि- आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे अधिकारी, पूरे शहर का विकास रोका, शासन को करोड़ों का राजस्व देरी से मिलेगा। हजारों को रोजगार नहीं मिलेगा। 15 दिन में जारी होने वाला लाइसेंस 5-6 महीनों तक रोक कर दबा कर बैठे। कैलाश वानखेड़े हर लाइसेंस पर लाखों रुपए की मांग। कोई सुनने वाला नहीं। शहर के अधिकांश बिल्डर/ कॉलोनाइजर सड़े काम के लिए परेशान हो रहे, धक्के खा रहे। काम की कोई बात इनसे नहीं करें। अपना टैक्स समय पर जमा करें। इन लोगों में इतनी हिम्मत आती कहां से हैं। क्या कोई तंत्र नहीं है जो इनकी जावबदेही तय करता हो। इन्हें फाइनेंशियल पनीश करेष लोगों का करोड़ों रुपयों का नुकसान हो रहा है और यह रोककर बैठे हैं। क्योंकि इनके बाप का कुछ लगा नहीं है।

कौन है रिटायर्ड आईएएस मालपानी–दिसंबर 2015 में जब मालपानी अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग में कमिशनर पद पर थे तब उनका एक आड़ियो आया था। इसमें वह बड़वानी में पदस्थ सहायक आयुक्त आरके श्रोत्री से राशि का हिस्सा मांग रहे थे। इसमें तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने निलंबत कर दिया था। निलंबन अवधि में ही वह सेवानिवृत्त हो गए। बाद में अपर मुख्य सचिव पीसी मीना ने उन्हें जांच कर क्लीन चिट दी थी। इसके बाद मालपानी ने सरकार से ग्रेच्युटी व अन्य सेवा के लिए सरकार से 20 लाख भी मांगे थे।

उधर शासन ने पोस्ट पर ली आपत्ति–उधर शासन ने इस पोस्ट पर आपत्ति ली है और खंडन जारी किया। इसमें कहा गया कि यह संज्ञान में आया है कि कॉलोनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के संबंध में नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों पर दबाव बनाने व छवि धूमिल की कोशिश हो रही है। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों पर तथ्यहीन, भ्रामक एवं मनगढ़ंत आरोप प्रसारित किए जा रहे हैं। विभाग इन सभी आरोपों का विधिक आधार पर खंडन करता है। अपर आयुक्त कैलाश वानखेड़े ने स्पष्ट किया है कि लंबित फाइलें केवल उन्हीं मामलों में हैं, जहां आवेदकों द्वारा आवश्यक अनुमतियां एवं दस्तावेज पूर्ण नहीं किए गए हैं। या पूर्व की कॉलोनियों के कार्य अधूरे हैं। बिना परीक्षण एवं आवश्यक अनुमतियों के किसी भी प्रकरण को स्वीकृति प्रदान नहीं की जा सकती।

इतने आवेदन किए गए निराकृत–विभाग ने बताया कि ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया प्रारंभ होने से अब तक कुल 4132 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 3669 आवेदनों के रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं। शेष आवेदन विभिन्न स्तरों पर परीक्षणाधीन हैं, जबकि 183 आवेदनों को आवश्यक जानकारी पूर्ण करने हेतु आवेदकों को ऑनलाइन पोर्टल पर वापस किया गया है।

आरोप : फायर सेफ्टी पर प्रशासन फेल

भाजपा सरकार की लापरवाही से खतरे में जनता की जान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में फायर सेफ्टी पर प्रशासन पूरी तरह फेल हो गया है। भाजपा सरकार की लापरवाही से जनता की जान खतरे में है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया ने उक्त आरोप लगाते हुए कहा इंदौर में लगातार बढ़ रही आगजनी की घटनाओं और फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं में भारी लापरवाही देखी जा रही है। कलेक्टर ने अगस्त 2024 में कमर्शियल बिल्डिंग संचालकों को एक महीने के अंदर फायर सेफ्टी के सभी इंतजाम पूरे करने के सख्त निर्देश दिए थे। स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि नियमों का पालन नहीं करने पर बिल्डिंग्स को सील किया जाएगा। इसके बावजूद आज तक न तो पूरी तरह जांच हुई और न ही नियमों का पालन सुनिश्चित करवाया गया। चौरसिया ने कहा कि हाल ही में सामने आई आरटीआई जानकारी ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आरटीआई के अनुसार इंदौर के 11 अस्पतालों, जिनमें शासकीय पी.सी. सेठी अस्पताल भी शामिल है, और कई कमर्शियल बिल्डिंग्स में अब तक फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और सीधे तौर पर जनता की जान के साथ खिलवाड़ है। शहर में कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं।

जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा?

चौरसिया ने सवाल उठाया कि कुछ बिल्डिंग्स को सील कर बाद में शपथ पत्र लेकर खोल देना क्या सिर्फ दिखावटी कार्रवाई नहीं है? यदि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हुआ तो दोबारा संचालन की अनुमति कैसे दी गई? यह स्पष्ट रूप से प्रशासनिक ढिलाई और मिलीभगत को दर्शाता है। भाजपा सरकार को जवाब देना चाहिए कि जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या फायर सेफ्टी के आदेश केवल कागजों तक सीमित हैं? क्या सरकारी अस्पतालों में भी सुरक्षा मानकों की अनदेखी को सरकार जायज मानती है? यदि किसी बड़े हादसे में जनहानि होती है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

स्वच्छता मॉडल को देख दिल्ली के रक्षा महाविद्यालय के अफसर हुए प्रभावित

कचरे से किया कमाल, स्वच्छता मॉडल बना पहचान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में लगातार शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले इंदौर ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट व्यवस्था से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय नई दिल्ली से आए वरिष्ठ अधिकारियों के दल ने शहर के स्वच्छता मॉडल का विस्तृत अध्ययन कर इसकी सराहना की। निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने सिटी बस ऑफिस में इंदौर की स्वच्छता यात्रा, जीरो वेस्ट सिटी के प्रयास, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रणाली पर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि शहर में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण आदि नवाचारों को प्रभावी रूप से लागू किया गया है।

स्थल निरीक्षण और तकनीकी व्यवस्था–दल ने आईसीसीसी सेंटर, राजशाही जीटीएस, ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित बायो-सीएनजी प्लांट तथा सीएंडडी वेस्ट प्लांट का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने देखा कि किस प्रकार कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण और प्रोसेसिंग कर उसका पुनः उपयोग किया जा रहा है। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर स्थापित बायोगैस प्लांट में गीले कचरे से बायो-सीएनजी तैयार करने का तरीका भी देखा।

इंदौर की स्वच्छता में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अहम रही है। थैला बैंक, बर्तन बैंक, जीरो वेस्ट इवेंट, जीरो वेस्ट विवाह और नाला सफाई जैसे अभियानों ने इसे जनआंदोलन का रूप दिया है। साथ ही शहर को ओडीएफ मुक्त बनाने और जीरो वेस्ट सिटी की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के पश्चात राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के दल ने इंदौर नगर निगम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शहर ने स्वच्छता के क्षेत्र में तेज गति और सशक्त क्रियान्वयन के साथ एक प्रभावशाली मॉडल स्थापित किया है, जो देशभर के लिए प्रेरणादायक है।

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण के लिए संकल्पबद्ध ट्रस्ट का हस्ताक्षर अभियान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कर्मवीर स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट इंदौर (म प्र) एवं अनंत सेवा न्यास के संयुक्तत त्वावधान में विश्व जल दिवस पर ' 'जल बचाओ, जीवन बचाओट्टट्टजल बचाओ, भविष्य बचाओ ' ' के नारे के साथ जल संरक्षण संवर्धन हेतु हस्ताक्षर अभियान चलाकर संकल्प दिलाया गया। जल बचाओ अभियान 2026 को सार्थक करने के लिए ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश मानावत ने जानकारी दी की श्रीराम नगर मे जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए अभियान का शुभारंभ किया गया। लगभग एक हजार से अधिक लोगों ने इस पहल के समर्थन मे हस्ताक्षर किये। सामाजिक कार्यकर्ता , इंदू श्रीवास्तव, लक्ष्मी राठौर,कमला ताई, लीना मालवीय, कंचन मानावत, मोना वाघमारे तथा अनंत महंत,नितेश तिवारी, एहसान अली, कमल सोनी आदि ने संकल्प दोहराया और पानी की बचत एवं संरक्षण के मूलमंत्र से ही जल है तो कल है सार्थक होगा।

इंदौर में 38वां हिंदू सर्वजातीय परिचय सम्मेलन : 30 रिश्ते तय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आर्य समाज संचार नगर इंदौर एवं गुरु विरजानन्द वैदिक ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित 38वें हिंदू सर्वजातीय परिचय सम्मेलन में करीब 30 रिश्ते तय हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु विरजानन्द वैदिक गुरुकुल इंदौर के ब्रह्मचारीयों के द्वारा वैदिक मंगलाचरण मंत्रों से हुआ। इस सम्मेलन में अविवाहित, विधवा, विधुर, तलाकशुदा, अधिक आयु के, दिव्यांग आदि लगभग 250 प्रत्याशियों ने अपना परिचय देते हुए जाति-पाति को दूर रख अंतरजातीय विवाह में रुचि दिखाई। श्रीमती गायत्री सोलंकी ने बताया कि इस अवसर पर युवतियों को उपहार स्वरूप मंच पर परिचय देनेवाली युवतियों को उपहार स्वरूप सर्वजातीय परिणय स्मारिका निशुल्क दी गई।

60% फ्री सीट का मामला गरमाया बढ़ेगा किराया, सफर होगा महंगा

एयरलाइंस कंपनियों ने सरकार को दी बेस फेयर बढ़ाने की चेतावनी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● केंद्र सरकार ने हाल ही में एयरलाइंस कंपनियों को निर्देश दिया था कि वे कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के उपलब्ध कराएं।

सरकार के इस निर्देश पर अब एयरलाइंस कंपनियों ने कड़ा ऐतराज जताया है। रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने सरकार को चेतावनी दी है कि इस कदम से हवाई टिकटों के दाम बढ़ सकते हैं। एयरलाइंस कंपनियों ने नागरिक उड्डयन सचिव समीर सिन्हा को पत्र लिखकर अपनी चिंताएं जाहिर की हैं। एयरलाइंस का कहना है कि सीट सिलेक्शन से होने वाली कमाई उनके रेवेन्यू का एक बड़ा हिस्सा है। अगर इसे बंद किया गया, तो घाटे की भरपाई के लिए उन्हें बेस फेयर बढ़ाना पड़ेगा। इसका बोझ उन यात्रियों पर भी पड़ेगा जो सीट सिलेक्ट नहीं करना चाहते।

सरकार का क्या था निर्देश–हाल ही में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइंस को निर्देश दिया था कि वे चार्ट में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के रखें। इसका मुख्य उद्देश्य यह था कि एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वाले परिवार या दोस्त बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक साथ बैठ सकें। अक्सर देखा जाता है कि साथ यात्रा करने के बावजूद यात्रियों को पास की सीटें पाने के लिए अलग से पैसे देने पड़ते हैं।

समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु 'खंडेलवाल म्यूजिकल ग्रुप' का शुभारम्भ !

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मंच पर लाकर प्रोत्साहित करने हेतु समाज में नवाचार का एक कदम बढ़ाते हुए खंडेलवाल म्यूजिकल ग्रुप का विधिवत्त शुभारंभ किया गया! इस म्यूजिकल ग्रुप का विधिवत शुभारंभ समाज के प्रख्यात सिंगर श्री मधुसूदन खंडेलवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया! शुभारंभ के अवसर पर समाज के 17 प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुतियां दी! श्रीमती शशि सुशील खंडेलवाल श्रीमती सीमा गिरधर खंडेलवाल एवं श्रीमती सुनीता खंडेलवाल एवं पुरुष सहभागी के रूप में राधेश्याम सेठी शरद बम शरद खंडेलवाल बालकिशन खंडेलवाल प्रदीप गुप्ता जितेंद्र खंडेलवाल अशोक खंडेलवाल अखिलेश खंडेलवाल सुशील खंडेलवाल सुशील साकुनिया ने भी शानदार गानों की प्रस्तुतियां दी !

महर्षि गौतम जयंती एवं भारतीय नववर्ष पर उमड़ा उत्साह, समाज की विभूतियों का हुआ 'समाज रत्न' सम्मान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सांस्कृतिक संगठन द्वारा आराध्य देव महर्षि गौतम जयंती एवं भारतीय नववर्ष (गुड़ी पड़वा) के पावन अवसर पर भव्य 'महर्षि गौतम सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। चाणक्यपुरी चौराहा स्थित नवनिर्मित 'महर्षि गौतम उद्यान' के मनोरम वातावरण में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में समाज की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

जी+3 एवं उससे अधिक की बहु मंजिला इमारतों में 15 दिन में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

फायर सेफ्टी को लेकर जिला प्रशासन ने दिखाई सख्ती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में रविवार को राजस्व अधिकारियों, नगर निगम के अधिकारियों, फील्ड बिल्डिंग ऑफिसर्स एवं बिल्डिंग इंस्पेक्टर्स की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर की बहुमंजिला व्यावसायिक और अन्य इमारतों में फायर सेफ्टी व्यवस्था को लेकर सख्त निर्णय लिए गए। बैठक में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल भी विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक में तय किया गया कि जी 3 एवं उससे अधिक ऊंचाई वाली सभी कमर्शियल और अन्य बिल्डिंग्स को 15 दिन का समय दिया जाएगा, जिसमें उन्हें अपने फायर सेफ्टी प्लान एवं व्यवस्थाओं को पूरी तरह दुरुस्त करना होगा। इस अवधि के बाद यदि किसी भवन में आवश्यक फायर सुरक्षा मानकों का पालन नहीं पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम के नेतृत्व में गठित दलों द्वारा कल से ही फायर सुरक्षा मानकों की व्यवस्थाओं के निरीक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि इस दौरान रैंडम निरीक्षण भी किए जाएंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भवनों में अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकासी मार्ग (एग्जिट), एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध और कार्यशील हैं। साथ ही, यह भी देखा जाएगा कि संबंधित भवनों ने नियमानुसार अनुमति (लाइसेंस) प्राप्त की है या नहीं। बैठक में यह भी सामने आया कि कई भवनों में निर्माण के बाद अतिरिक्त या अवैध निर्माण किया गया है, जो बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। आवश्यक होने पर नोटिस जारी कर सुधार कार्य करवाया जाएगा या अवैध हिस्सों को हटाने की कार्रवाई भी की जाएगी। कलेक्टर द्वारा प्रमुख रूप से निर्देश दिये गए कि सभी जी +3 एवं उससे अधिक ऊंचाई वाली इमारतों में फायर सेफ्टी उपकरणों की अनिवार्य रूप से जांच कर उन्हें कार्यशील स्थिति में रखा जाए।

...तो लायसेंस होंगें निरस्त, दंडात्मक कार्रवाई भी होगी

प्रत्येक भवन में आपातकालीन निकासी मार्ग (इमरजेंसी एक्सीट) स्पष्ट अवरोध मुक्त एवं चिन्हित होना सुनिश्चित किया जाए। बिना अनुमति किए गए अतिरिक्त निर्माणों को तत्काल चिन्हित कर नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं करने वाले भवनों के विरुद्ध लाइसेंस निरस्तीकरण सहित दंडात्मक कार्रवाई की जाए। अधिकारियों ने फायर सेफ्टी से संबंधित निरीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता जताई। इस पर कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फायर सेफ्टी मानकों एवं प्रक्रियाओं की समुचित ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर, सोमवार 23 मार्च 2026

प्रदेश में ओले-बारिश से फसलों पर संकट गेहूं की चमक गई, किसानों की बढ़ी चिंता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पिछले दो-तीन दिन में प्रदेश के कई जिलों में हुई ओला-बारिश से फसलें चौपट हो गईं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई हैं। किसानों का कहना है कि गेहूं की चमक जाने से उत्पादन कम होगा। इंदौर और उज्जैन संभाग के कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं, प्याज और लहसुन की फसल को नुकसान पहुंचा है। इससे उत्पादन घटने के साथ ही बाजार में उपज के दाम गिरने की आशंका जताई जा रही है। इंदौर, उज्जैन, रतलाम, देवास, धार और आगर-मालवा जिलों में खेतों में खड़ी और कटी दोनों तरह की फसल प्रभावित हुई हैं। किसानों के अनुसार, करीब 60 प्रतिशत गेहूं की फसल खेतों में खड़ी है, जबकि 20 प्रतिशत फसल कटकर खेतों में पड़ी है और शेष 20 प्रतिशत मंडी या वेयरहाउस तक पहुंच चुकी है। किसानों ने बताया कि गुणवत्ता प्रभावित होने से मंडियों में उपज का उचित दाम नहीं मिल पाएगा। जहां गेहूं का भाव 2,500 रुपए प्रति क्विंटल मिलना चाहिए, वहां अब 1,300 से 1,500 रुपए प्रति क्विंटल तक ही मिलने की संभावना है।

ओले-बारिश से ये नुकसान

गेहूं की बाल से कुछ दाना झड़ा।
दाने की चमक के साथ ही उसकी गुणवत्ता में आएगी गिरावट
वजन कम होने से प्रति एकड़ उत्पादन भी घटेगा।

प्याज और लहसुन पर असर

लहसुन का छिलका पतला होने से जल्दी खराब होने की आशंका।
प्याज के कंद का आकार अपेक्षित रूप से नहीं बढ़ पाएगा।

करैरा, भितरवार में तहसीलदार- एसडीएम ने नुकसान का लिया जायजा

करैरा-अंचल में ओला-बारिश से खैराई के कृषक चिंटू लाल परिहार, अंकेश यादव, रिंकू यादव, रामेश्वर सैन की गेहूं की फसल चौपट हो गई। शनिवार को तहसीलदार कल्पना शर्मा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी फूल सिंह जाटव एवं ग्राम पटवारी वकील बंजारा, पुष्पेंद्र गुप्ता ने ग्राम खैराई जाकर ओलों से प्रभावित खेतों का निरीक्षण किया। तहसीलदार ने नुकसान के वास्तविक आकलन के लिए सर्वे दल का गठन किया है। तहसीलदार कल्पना शर्मा ने कहा कि नुकसान के वास्तविक आकलन के लिए सर्वे दल का गठन किया है जो अपनी रिपोर्ट शासन को देगा। उसके आधार पर पीड़ितों को हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी।

भितरवार।-एसडीएम राजीव समाधिया ने शनिवार को ओलावृष्टि प्रभावित गांवों में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने किसानों के साथ नुकसान का निरीक्षण किया। एसडीएम समाधिया ने ओला प्रभावित ग्राम सिधारन, बनवार, चीनौर और निकोडी में किसानों से कहा कि ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रीवा में फसलें बर्बाद, नेताओं ने किया दौरा

रीवा- ओला-बारिश से खेतों में गेहूं की फसल बिछ गई है। संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय महासचिव शिव सिंह और कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू ने कुल्लू, बिहरा और सुमेदा गांवों का दौरा कर किसानों से हाल जाना। नेताओं ने सरकार से जल्द सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की।

डिंडौरी। शहपुरा, ढोंढा, बिजोरी, अमेरा और विक्रमपुर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गेहूं, चना, मसूर, बटरा की और राहर की फसलें बर्बाद हो गई। जैविक कृषि विशेषज्ञ बिहारी लाल साहू ने प्रशासन से मांग की है कि राजस्व विभाग तत्काल सर्वे कर किसानों को मुआवजा दे। कटनी जिले के बाकल किसान रामसिंह ने बताया कि किसानों ने प्रशासन से मुआवजा की मांग

दशहरा मैदान स्थित 'अवध लोक' पर चल रहे 'सबके राम'

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●दशहरा मैदान स्थित 'अवध लोक' पर चल रहे 'सबके राम' महोत्सव में सुबह से देर रात तक राम भक्तों का मेला जुट रहा है। देश के पूर्वोत्तर भारत एवं दक्षिणी राज्यों की संस्कृतियां यहां एकाकार हो रही है। गत 19 मार्च से चल रहे लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में आहुतियों का सिलसिला जारी है। मेले में शामिल होने के लिए जहां अनेक दक्षिण भारतीय परिवार आ रहे हैं, वहीं मेले में स्थापित वृन्दावन के प्रेम मंदिर की प्रतिकृति में आरती एवं दर्शन के लिए भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। निशुल्क योग शिविर के साथ ही संध्या को निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में भी सैकड़ों लोग लाभांवित हो रहे हैं। मेला स्थल पर लगे विभिन्न स्टाल्स पर भी परंपरागत व्यंजनों की मांग दिनोंदिन बढ़ रही है।

इंदौर में आए 400 से ज्यादा आपत्तियां-सुझाव 2 साल में औसत 44% बढ़ी गाइडलाइन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रॉपर्टी गाइडलाइन को लेकर इंदौर में 400 से ज्यादा आपत्तियां-सुझाव आए हैं। क्रेडाई ने गाइडलाइन तय करने की प्रक्रिया पर ही सवाल उठाए हैं। जिला मूल्यांकन समिति को भेजे पत्र में क्रेडाई ने कहा है कि 2026-27 की प्रस्तावित बाजार मूल्य दरें पर्याप्त अध्ययन, सही दस्तावेजों के बगैर तैयार की गई है। 2018 के गाइडलाइन नियमों का पालन भी नहीं हुआ है। कई क्षेत्रों में 10% से 133% तक बढ़ोतरी प्रस्तावित है, जबकि यहां निर्माण ही नहीं हुआ है। मप्र में स्टाम्प ड्यूटी भी सबसे ज्यादा 12.5% है। नई गाइडलाइन के प्रस्ताव पर दावे-आपत्ति का शनिवार को आखिरी दिन था। वरिष्ठ जिला पंजीयक मंजूलता पटेल ने बताया कि रविवार को इन्हें संकलित कर निराकरण किया जाएगा। जिला मूल्यांकन समिति की मंजूरी के बाद इसे केंद्रीय मूल्यांकन समिति को भेजा जाएगा।

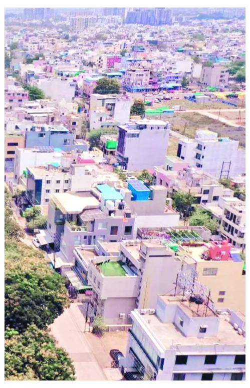

2024-25 और 25-26 में सबसे ज्यादा उछाल

- 2023-24 में 779 लोकेशन पर 10% से 60% तक वृद्धि हुई थी। औसत वृद्धि लगभग 4.42% थी।
- साल 2024-25 में 2062 लोकेशन पर औसत वृद्धि 17.7% हुई थी। साल 2025-26 में औसत बढ़ोतरी करीब 25.95% हुई। अब 2026-27 के लिए 4840 में से 2606 लोकेशनों पर 10% से 133% तक वृद्धि की बात है।

ऊंचे दाम में हुई कुछ रजिस्ट्री से कॉलोनी की दर क्यों बढ़े

उप जिला मूल्यांकन समिति रजिस्ट्री के आंकड़े एकत्र कर जिला समिति को भेजती है। इनका विस्तृत विश्लेषण कर दरें तय की जाती हैं। इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया। प्रस्तावित सूची के साथ आवश्यक दस्तावेज भी सार्वजनिक नहीं किए। वैधता संदिग्ध है। कई कॉलोनियों में जहां अभी तक बहुमंजिला निर्माण की अनुमति या विकास नहीं हुआ है, वहां भी आवासीय और व्यावसायिक दरें प्रस्तावित कर दी गई हैं।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

श्री अग्रवाल महासभा की मेजबानी 28 से शुरू होगा तीन दिवसीय आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●श्री अग्रवाल महासभा की मेजबानी में आगामी 28 से 30 मार्च तक गाँधी हॉल परिसर में समाजसेवी मिश्रीलाल गोयल की स्मृति में आयोजित अ.भा. युवक-युवती परिचय सम्मेलन के लिए न्यूजीलैंड, अमेरिका और ब्रिटेन सहित विदेशों से भी प्रत्याशियों की प्रविष्ठियां प्राप्त हो रही हैं इनमें 60 लाख पैकेज वाले उच्च शिक्षित और बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में कार्यरत प्रत्याशी भी शामिल हैं। सम्मेलन के लिए अब तक 1012 प्रविष्ठियां मिल चुकी हैं जिनमें 645 युवक एवं 332 युवतियां तथा विशिष्ठ श्रेणी के 35 प्रत्याशी शामिल हैं।

भोपाल की ताल के चौपाल से

एसपी साहब कर रहे कलेक्टर साहब की वसूली, मैडम का हरियाणवी टशन... हे! भगवान साहब को अच्छी पोस्टिंग दिला दो!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश की आईएएस मैडम का हरियाणवी टशन और कलेक्टर-एसपी की जुगलबंदी इन दिनों काफि चर्चा में है। तबादला सूची और सत्ता के अंदरूनी खींचतान, आज के बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से...

सियासत और सिस्टम की दुनिया में हर चाल के पीछे कोई न कोई कहानी जरूर होती है। कोई अपना रुतबा दिखाकर काम निकालता है, कोई चुपचाप मैनेजमेंट की बिसात बिछाता है तो कोई ऊपर वाले की कृपा का सहारा लेकर आगे बढ़ने की उम्मीद रखता है। अब भोपाल की ही बात करें तो मैडम का हरियाणवी टशन इन दिनों चर्चा में है। हाल ये है कि उनके प्रमुख सचिव भी अब बहस से दूर ही रहना बेहतर समझ रहे हैं। उधर, चंबल के बीहड़ों में कलेक्टर साहब और एसपी साहब की जोड़ी बिल्कुल फिल्मी अंदाज में चल रही है। ये जोड़ी जय और वीरू की याद दिलाती है। इधर, एक साहब की किस्मत चमकाने के लिए उनकी अर्धांगिनी पूजा-पाठ में जुटी हैं। नेता नगरी में भी माहौल कम दिलचस्प नहीं है। शक्ति प्रदर्शन का दौर जारी है और साथ-साथ टांग खिंचाई का खेल भी पूरे रंग में है। कुल मिलाकर, जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, वैसे-वैसे सत्ता और सिस्टम का पारा भी चढ़ता जा रहा है। वैसे देश प्रदेश में खबरों का तो अंबार है, आप तो सीधे नीचे उतर आईए और वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम के रोचक किस्सों का आनंद लीजिए।

आईएएस मैडम का हरियाणवी टशन

इन दिनों प्रशासनिक गलियारों में एक आईएएस मैडम का हरियाणवी टशन चर्चा में है। दरअसल, मैडम के महकमे में ठेकेदारों का बोलबाला हो गया है। मामला ऊपर तक पहुंचा तो प्रमुख सचिव ने हाथ खड़े करते हुए कह दिया है कि मैडम उनके कंट्रोल में नहीं हैं। अब स्थिति ऐसी है कि हरियाणा के सप्लायरों ने मध्यप्रदेश में डेरा डाल रखा है। सारे टेंडर उनके हिसाब से डिजाइन हो रहे हैं। प्रमुख सचिव ने उन्हें कंट्रोल करने का प्रयास किया, लेकिन मैडम के हरियाणवी टशन के आगे वे सफल नहीं हो पाए हैं। अब बताते हैं कि मैडम की इस कारगुजारी का खामियाजा प्रमुख सचिव को भी झेलना पड़ेगा। आने वाली लिस्ट में मैडम के साथ प्रमुख सचिव की भी विभाग से रवानगी तय मानी जा रही है।

हे भगवान, पति को अच्छी पोस्टिंग दे दो

मंत्रालय में लंबे समय से लूप लाइन में पदस्थ प्रमुख सचिव की पत्नी इन दिनों काफी परेशान हैं। प्रमुख सचिव की पोस्टिंग के लिए भाईसाहब लोगों की भी सिफारिश आ चुकी है। एक रिटायर्ड अपर मुख्य सचिव भी अपने चेले को अच्छी पोस्टिंग दिलाने के लिए बड़े साहब को लगातार फोन घनघना रहे हैं। लंबी चौड़ी लॉबिंग के बावजूद पोस्टिंग नहीं हो पा रही है। मैडम को किसी ने बताया कि कृपा कहीं अटकी हुई है। बस उसके बाद से मैडम ने मंदिर जाना शुरू कर दिया है। तंत्र-मंत्र की साधना शुरू कर दी है। बताते हैं कि पूजा पाठ का असर दिखना शुरू हो गया है। साहब को लूप लाइन से बाहर निकालने का मन बड़े साहब ने बना लिया है। अब देखो इस तबादला लिस्ट में इन साहब को कौन सी कुर्सी मिलती है।

कलेक्टर और कप्तान की जुगलबंदी

अमूमन सुनने में आता है कि हर दूसरे जिले के कलेक्टर और एसपी की पटरी नहीं बैठ रही, लेकिन ग्वालियर चंबल का एक जिला ऐसा है कि जहां कलेक्टर-एसपी दोनों एक ही सुर अलाप रहे हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि अवैध रेत परिवहन में कलेक्टर ने सीधा हस्तक्षेप करने के बजाए कप्तान साहब को जिम्मेदारी दे दी है। कलेक्टर साहब अपने दफ्तर से बाहर निकलते नहीं और कप्तान साहब ने पूरा मैदानी मैनेजमेंट संभाल रखा है। इस नए फॉर्मूले से कप्तान भी खुश हैं, क्योंकि अब उन्हें आम के आम और गुठलियों के दाम मिलने लगे हैं। दरअसल, इसके पहले वाले कलेक्टर खुद ही मैदान में रहते थे। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी अवैध परिवहन करने से रोका था, जिससे उनका खुलकर पंगा हो गया था। उस समय जिले में कलेक्टर हीरो था और कप्तान जीरो, लेकिन अब हालात बदल गए हैं।

महीना गुजर गया नहीं हुए आईएएस तबादले

आज लिस्ट आ रही है, नहीं...नहीं कल पक्का आ जाएगी। इस तरह की चर्चा आपको मंत्रालय से लेकर जिलों के प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में सुनने को मिल जाएंगी। हर कोई इस बात पर नजर गड़ाए बैठा है कि डॉक्टर साहब और बड़े साहब आईएएस की तबादला सूची को लेकर कब बैठने वाले हैं। इसमें कुछ लोग पतंगबाजी भी कर रहे हैं कि सीएम-सीएस की बैठक तो हुई लेकिन नामों पर सहमति नहीं बन पाई है। अब भला इन पतंगबाजों को कौन बताए कि सीएम और सीएस इतने बड़े पद होते हैं कि वे आईएएस के नामों पर इतने नहीं अड़ते कि सहमति न बने। ये बात सही है कि टेंटेटिव लिस्ट तैयार है। जिस दिन सीएम-सीएस फाइनल डिस्कशन पर बैठेंगे, उस दिन लिस्ट जारी हो जाएगी। तब तक दावेदारों की धड़कन जरूर ऊपर नीचे होती रहेगी। वैसे हमारी खबर है कि अब इंतजार की घड़ी समाप्त हो चुकी है, बस पर्दा उठने वाला है।

आखिर क्या ये कोई खिचड़ी है...

सूबे की सियासत में इन दिनों अंदरखाने दिलचस्प खेल चल रहा है। यहां बात सत्ता बनाम विपक्ष की नहीं, बल्कि सत्ता के अंदर ही खींचतान की है। ताजा मामला जुड़ा है मामा से, जो अब प्रदेश सरकार की व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। मुद्दा है नर्मदा में अवैध खनन, लेकिन बात सिर्फ मुद्दे तक सीमित नहीं दिख रही है। हालांकि ये कहानी थोड़ी पुरानी भी है। जिस सिस्टम पर आज सवाल उठाए जा रहे हैं, उसी सिस्टम का हिस्सा मामा लंबे समय तक रह चुके हैं। उनके कार्यकाल में भी नर्मदा खनन को लेकर खूब चर्चाएं हुई थीं। उस समय सब कुछ शांत था और अब अचानक आवाज तेज हो गई है। अब हालात ऐसे हैं कि पुराने किस्से फिर से याद दिलाए जा रहे हैं। सत्ता के गलियारों में लोग चुटकी लेते हुए कह रहे हैं कि अब वही नेताजी सवाल पूछ रहे हैं, जो कभी जवाब देने की जगह पर थे। राजनीति में यह नया नहीं है, लेकिन देखने वालों के लिए मजेदार जरूर है।

आखिर किसे मिलेगा राजयोग!

मध्यप्रदेश की सियासत इन दिनों आधी राजनीति और आधी आस्था के रंग में रंगी नजर आ रही है। कहा भी जाता है कि सत्ता की सीढ़ी कभी-कभी मंदिर के आंगन से होकर गुजरती है। बस, यही मंत्र अब नेताओं ने अपना लिया है। कोई बड़ा अनुष्ठान करा रहा है तो कोई भव्य कथा का आयोजन कर रहा है। यहां मामला सिर्फ भक्ति का नहीं, टाइमिंग का भी है। जल्द ही राज्यसभा की सीटें खाली होने वाली हैं और मंत्रिमंडल में फेरबदल की आहट भी सुनाई दे रही है। ऐसे में नेता जी पूजा-पाठ के साथ अपनी ताकत दिखा रहे हैं। बुंदेलखंड में ठाकुर साहब का शक्ति प्रदर्शन अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि पंडित जी ने उससे बड़ा आयोजन कर सबका ध्यान खींच लिया है। इधर, मध्य क्षेत्र के नेता भी चुप नहीं बैठे, वे भी अपनी सेटिंग साधने में लगे हैं। अब सियासी गलियारों में बस एक ही सवाल गूंज रहा है कि किसकी पूजा रंग लाएगी और किसे मिलेगा राजयोग।

आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास के मातृशक्ति प्रकोष्ठ ने निकाला गणगौर का भव्य बाना, महिलाओं का सामूहिक उद्यापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास की मेजबानी में विमानतल मार्ग स्थित श्री श्री विद्याधाम पर न्यास के मातृशक्ति प्रकोष्ठ द्वारा गणगौर का भव्य बाना निकालकर 40 सौभाग्यवती महिलाओं के गणगौर व्रत का सामूहिक उद्यापन किया गया। इस मौके पर समाज की 300 से अधिक महिलाओं ने परम्परागत परिधान में सज-धजकर ढोल-ढमाकों सहित सियाराम बाबा मंदिर से 60 फीट रोड, पेट्रोल पंप के पास से होते हुए विद्याधाम तक भव्य बाना भी निकाला। न्यास के अध्यक्ष पं. दिनेश शर्मा एवं महामंत्री सुरेश शर्मा 'काका' ने बताया कि रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मातृशक्ति प्रकोष्ठ कि ओर से श्रीमती सरस्वती शर्मा एवं हेमा शर्मा सहित प्रकोष्ठ की बहनों ने गणगौर महोत्सव की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देकर पूरे जोश एवं उत्साह के साथ इस पर्व को आत्मसात किया। महिलाओं और युवतियों के अनेक युगल इसर और गौर के रूप में श्रृंगारित होकर बग्घियों में विराजित थे।

मप्र राजीव विकास केंद्र का डिजिटल शंखनाद: बूथ स्तर पर खड़ा होगा एआई और सोशल मीडिया का मजबूत नेटवर्क

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने और भाजपा सरकार की विफलताओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया को मुख्य हथियार बनाया जाएगा। इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मप्र राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं मप्र राजीव विकास केंद्र के मीडिया प्रभारी नितीश भारद्वाज ने बताया कि मंशानुरूप अब बूथ स्तर तक तकनीक और तकनीकप्रेमी युवाओं का एक विशाल नेटवर्क एवं जिन्हें डिजिटल युग की तकनीक का बेहतर ज्ञान है उन्हें मध्यप्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा तैयार किया जा रहा है।

टेक्नोलॉजी से मुकाबला: देवेंद्र सिंह यादव ने स्पष्ट किया कि आगामी नगर निगम, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाजपा का मुकाबला करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। इसके लिए विशेषज्ञों और सोशल मीडिया का ज्ञान रखने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम जल्द घोषित की जाएगी।

सम्पादकीय

होर्मुज जलडमरूमध्य संकट: ईरान-अमेरिका टकराव के बीच भारत पर महंगाई का खतरा क्यों बढ़ा

भारत के सामने जो हालात पैदा हो रहे हैं, उसमें सरकार को हर स्तर पर कूटनीतिक पहल करके कच्चे तेल और रसोई गैस की आपूर्ति का रास्ता तैयार करने को प्राथमिकता देने की जरूरत है। पश्चिम एशिया में ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमले के बाद दिनोंदिन हालात जटिल होते जा रहे हैं। साफ है कि युद्ध का प्रत्यक्ष असर भले ही हमले की जद में आए देशों में पड़ रहा हो, लेकिन इसकी वजह से अब दूसरे वैसे देश भी प्रभावित होने लगे हैं, जो अपनी कई जरूरतों के लिए मध्यपूर्व के देशों पर कम या ज्यादा निर्भर हैं। उदाहरण के तौर पर ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से उस रास्ते से तेल और गैस लेकर जाने वाले लगभग सभी देशों के जहाजों का भी रास्ता बंद है। कुछ खास स्थितियों में आंशिक इजाजत दी जा रही है, लेकिन उसके सहारे आने वाले दिनों के व्यापक संकट को लंबे समय तक नहीं टाला जा सकता है। तेल और गैस की आपूर्ति में भारी कमी की वजह से उपजे मुश्किल से निपटने के लिए भारत ने रूस सहित अन्य विकल्पों की ओर रुख किया है, मगर इससे स्थितियों को सामान्य बनाने में सीमित मदद ही मिलेगी। यह बेवजह नहीं है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच भारत में भी शुक्रवार को उच्च श्रेणी के पेट्रोल में करीब दो रुपए और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को बेचे जाने वाले डीजल में बाईस रुपए की बढ़ोतरी की गई। हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की मौजूदा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि आने वाले कितने दिनों तक इनके दाम स्थिर रहेंगे। मसलन, अगर भारी उद्योगों और बड़ी मशीनों के संचालन में इस्तेमाल में आने वाले औद्योगिक डीजल की कीमतों में खासी बढ़ोतरी हुई है, तो इसका सीधा प्रभाव उत्पादन की लागत पर पड़ेगा। ऐसे में जब औद्योगिक कंपनियों के मुनाफे में कमी आएगी, तो स्वाभाविक रूप से इसके असर से कई अन्य सामान महंगे हो सकते हैं। रसोई गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होने के कारण लोगों को पहले ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में आम उपयोग के पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी होती है, तो यह कोई हैरानी की बात नहीं होगी। इसके बाद इसका असर माल ढुलाई पर पड़ेगा और बाजार में खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़ सकती है।

सिन्धी समाज को गौरवान्वित करते है शहीद हेमू कालानी

कौन सोच सकता था कि सिंधी लोग भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में शामिल थे क्या सिंधी लोग एक विचित्र, धन-लोभी, शोषक और असभ्य समुदाय नहीं थे सिन्धीयों ने आजादी के लिए न अपना देश छोड़ा परन्तु इतिहास गवाह है कि देश की आजादी में सिंधियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। विभाजन के बाद, सिंधी समुदाय ने न केवल अपनी पहचान बनाए रखी, बल्कि भारत के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिंधी समुदाय के कई सदस्यों ने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया और देश के लिए बलिदान दिया। आजादी की लड़ाई में भारत के सभी प्रदेशो का योगदान रहा। अंग्रेजो को भारत से भगा कर देश को जिन वन्दनीय वीरो ने आजाद कराया उनमे सबसे कम उम्र के बालक क्रांतिकारी अमर शहीद हेमू कालाणी को भारत देश कभी नही भुला पायेगा। हेमू कालाणी सिन्ध के सख्खर में 23 मार्च सन 1923 में जन्में थे। उनके पिताजी का नाम पेसूमल कालाणी एवं उनकी मां का नाम जेठी बाई था।हेमू बचपन से साहसी तथा विद्यार्थी जीवन से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय रहे। हेमू कालाणी जब मात्र 7 वर्ष के थे तब वह तिरंगा लेकर अंग्रेजो की बस्ती में अपने दोस्तों के साथ क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व करते थे। 1942 में 19 वर्षीय किशोर क्रांतिकारी ने 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' नारे के साथ अपनी टोली के साथ सिंध प्रदेश में तहलका मचा दिया था और उसके उत्साह को देखकर प्रत्येक सिंधवासी में जोश आ गया था। बताया जाता है कि जब वह मात्र सात वर्ष के थे, तभी तिरंगा लेकर अंग्रेजों की बस्ती में चले जाते थे और अपने मित्रों के साथ निर्भीक होकर सभाएं करते थे। वह पढ़ाई-लिखाई में अच्छे होने के अलावा अच्छे तैराक तथा धावक भी थे। वह तैराकी में कई बार पुरस्कृत हुए थे। आठ अगस्त,1942 को गांधी जी ने 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' तथा 'करो या मरो' का नारा दिया। गांधी जी का कहना था कि या तो स्वतंत्रता लेंगे या फिर जान दे देंगे। अंग्रेजों को जाना ही होगा। इससे देश की जनता अंग्रेजों के विरुद्ध उद्वेलित हो गई थी और क्रांतिकारी गतिविधियां तेज हो गई थीं। फलतः ब्रिटिश सरकार क्रांतिकारियों का दमन करने लगी। सिंध प्रांत में जब यह आंदोलन तीव्र हुआ तो किशोरों व नवयुवकों के साथ हेमू कालाणी भी 'स्वराज सेना' के जरिए मुख्य भूमिका में इससे जुड़ गए।8 अगस्त 1942 को गांधी जी ने अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोडो आन्दोलन तथा करो या मरो का नारा दिया। इससे पूरे देश का वातावरण एकदम गर्म हो गया। गांधी जी का कहना था कि या तो स्वतंत्रता प्राप्त करेंगे या इसके लिए जान दे देंगे। अंग्रेजों को भारत छोड कर जाना ही

होगा। जनता तथा ब्रिटिश सरकार के बीच लडाई तेज हो गई। अधिकांश कांग्रेसी नेता पकड पकड कर जेल में डाल दिए गए। इससे छात्रों, किसानों, मजदूरों, आदमी, औरतों व अनेक कर्मचारियों ने आन्दोलन की कमान स्वयं सम्हाल ली। पुलिस स्टेशन,पोस्ट आफिस, रेलवे स्टेशन आदि पर आक्रमण प्रारंभ हो गए। जगह जगह आगजनी की घटनाएं होने लगी। गोली और गिरफ्तारी के दम पर आंदोलन को काबू में लाने की कोशिश होने लगी। हेमू कालानी सर्वगुण संपन्न व होनहार बालक था,जो जीवन के प्रारंभ से ही पढाई लिखाई के अलावा अच्छा तैराक,तीव्र साईकिल चालक तथा अच्छा धावक भी था। वह तैराकी में कई बार पुरस्कृत हुआ था। सिंध प्रान्त में भी तीव्र आन्दोलन उठ खडा हुआ तो इस वीर युवा ने आंदोलन में बढ चढकर हिस्सा लिया। हेमू ने 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' नारे के साथ सिंधवासी में जोश और स्वाभिमान भर दिया। वे विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार एवं स्वदेशी अपनाने का स्वावलंबन सूत्र भी देशवासियों को दे रहे थे। विदेशी हुकूमत को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर वह स्वतंत्रता आंदोलन की सक्रिय गतिविधियों में शामिल हो गए। हेमू समस्त विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार करने के लिए लोगो से अनुरोध किया करते थे। शीघ्र ही सक्रिय क्रान्तिकारी गतिविधियों में शामिल होकर उन्होंने हुकुमत को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रियाकलापों में भाग लेना शूरू कर दिया। अत्याचारी फिरंगी सरकार के खिलाफ छापामार गतिविधियों एवं उनके वाहनों को जलाने में हेमू सदा अपने साथियों का नेतृत्व करते थे। एक दिन गोपनीय सूत्रों से सिंध के क्रांतिकारियों को जानकारी मिली कि बलूचिस्तान में चल रहे उग्र आंदोलन को कुचलने के लिए 23 अक्टूबर,1942 की रात अंग्रेज सैनिकों, हथियारों व बारूद से भरी रेलगाड़ी सिंध के रोहिणी स्टेशन से रवाना होकर सक्खर शहर से गुजरती हुई बलूचिस्तान के क्वेटा नगर जाएगी। यह समाचार सुनकर सक्खर के 19 वर्षीय छात्र हेमू कालाणी ने रेलगाड़ी को गिराने का दायित्व अपने ऊपर लिया,जिसमें उनके साथ दो सहयोगी नंद और किशन भी थे। रेलगाड़ी गुजरने से पहले ही तीनों नवयुवक एक सुनसान स्थल पर पहुंचे। हेमू कालाणी ने रिंच और हथौड़े की सहायता से रेल की पटरियों की फिशप्लेटों को उखाड़ना शुरू कर दिया। अन्य दो साथी निगरानी कर रहे थे। रात की निस्तब्धता में हथौड़ा चलाने की आवाजें दूर तक जा रही थीं। उसे सुनकर दूर गश्त कर रहे सिपाही दौड़कर आए। नंद और किशन तो वहां से भाग कर छिप गए,मगर हेमू कालाणी को उन्होंने पकड़ लिया। जेल में लाकर उन पर कोड़े बरसाए गए और उनसे दो सहयोगियों का नाम पूछा गया। हेमू का हर बार यही उत्तर होता था, 'मेरे दो साथी थे—रिंच और हथौड़ा।' सक्खर की मार्शल ला कोर्ट ने देशद्रोह के अपराध में 19 वर्ष कुछ माह होने के कारण हेमू कालाणी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अनुमोदन के लिए निर्णय हैदराबाद (सिंध) स्थित सेना मुख्यालय के प्रमुख अधिकारी कर्नल रिचर्डसन के पास भेजा गया। ब्रिटिशराज का खतरनाक शत्रु करार देते हुए कर्नल रिचर्डसन ने हेमू कालाणी की सजा को फांसी में बदल दिया। फाँसी के दिन, हेमू से पूछा गया कि क्या उनकी कोई आखिरी इच्छा है, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे नारे लगाते हुए फाँसी की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहते हैं और चाहते हैं कि वहाँ मौजूद सरकारी अधिकारी भी इन नारों का जवाब ज़ोर से दें। हेमू के भाई के अनुसार, हेमू ने फाँसी के फंदे की ओर बढ़ते हुए 'इंकलाब ज़िंदाबाद', 'यूनियन जैक मुर्दाबाद' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए। 21 जनवरी, 1943 को प्रातः सात बजकर 55 मिनट पर हेमू कालाणी को फांसी पर लटकाया गया था ।बताया जाता है कि हेमू ने 'इंकलाब-जिंदाबाद' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाते हुए खुद अपने हाथों से फंदा गले में डाला,मानो फूलों की माला पहन रहे हों। मात्र 19 वर्ष की आयु में अमर शहीद हेमू कालाणी का प्राणोत्सर्ग सदैव याद रखा जाएगा।

हेमू कालाणी को भारत सरकार ने शहीद का दर्जा दिया और 1983 में उनके 60वें जन्मदिन और फांसी के 40 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। गर्व की बात है कि अमर शहीद हेमू कालाणी की याद में भारत सरकार की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1984 में डाक टिकट जारी की। उन्हें 'सिंध का भगत सिंह' भी कहा जाता है ।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

सस्ते बाजार के शोर में कहीं खो न जाए इंदौर की विरासत का गौरव

राजवाड़ा यानी इंदौर के दिल की धड़कन. हम इंदौरीयों के लिए यह केवल एक सात मंजिला इमारत नहीं, बल्कि होल्कर राजवंश के शौर्य और हमारी पहचान का केंद्र है. लेकिन आज जब हम राजवाड़ा की बात करते हैं, तो गौरव से पहले हमारे मन में बाजार की भीड़, सराफा का शोर और 'सस्ता सामान' मिलने वाली गलियों की छवि उभरती है. क्या हमने कभी सोचा है कि जिस विरासत को दुनिया के नक्शे पर एक 'ग्लोबल आइकॉन' होना चाहिए था, उसे हमने महज एक सस्ते मार्केट में मची चिल्लपों में कैसे दबा दिया।

इतिहास की परतों में छिपा वैभव-1747 में मल्हार राव होल्कर द्वारा बनवाया गया यह भव्य महल वास्तुकला का वह अनूठा प्रयोग है, जहाँ मराठा मजबूती, मुगल भव्यता और फ्रांसीसी सूक्ष्मता का संगम मिलता है. इसकी सात मंजिलों में नीचे के तीन तल पत्थर के हैं और ऊपर के चार लकड़ी के—वही लकड़ी जिसे इतिहास में तीन बार आग की लपटों ने झुलसाया, पर राजवाड़ा फिर से खड़ा हो गया. राजवाड़ा के ठीक बगल में खड़ा 190 साल पुराना गोपाल मंदिर (1832) स्थापत्य कला की उस पराकाष्ठा का प्रमाण है, जिसकी छत की मजबूती जाँचने के लिए कभी हाथियों को ऊपर चढ़ाया गया था. आज स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत 20 करोड़ रुपये की लागत से इसका वैज्ञानिक जीर्णोद्धार किया गया है, जिसमें चूना, गुड़ और मेथी जैसे पारंपरिक मसालों का उपयोग कर इसकी प्राचीनता को सहेजा गया है. खान नदी के किनारे खड़ी कृष्णपुरा छतरियां और बोलिया सरकार की छतरी अपनी नक्काशीदार दीवारों के साथ हमारे महान शासकों की स्मृति को जीवंत रखती हैं।

अंतरराष्ट्रीय आइकॉन से तुलना में हम पीछे क्यों-जब हम सिंगापुर की बात करते हैं, तो 'पानी उगलते शेर' मर्लिन की छवि जेहन में आती है। पेरिस के पास अपना 'एफिल टावर' है और लंदन के पास 'बिगबेन' की ऐतिहासिक घड़ी. न्यूयॉर्क की स्टेचू ऑफ लिबर्टी की अपनी अलग ही शान है। इन शहरों ने अपनी इन आइकॉनिक इमारतों को दुनिया के लिए एक अनिवार्य गंतव्य (मस्ट विजिट डेस्टिनेशन) बना दिया है. क्या हमारा राजवाड़ा इन अंतरराष्ट्रीय प्रतीकों से कमतर है? कतई नहीं. जापान के क्योटो में 'सानेनज़ाका' और 'निनेंज़ाका' जैसी गलियां हैं, जो ऐतिहासिक लकड़ी की इमारतों से घिरी हैं. वहां गाड़ियों का शोर नहीं, केवल पैदल चलने वाले पर्यटकों की चहल-पहल होती है. इटली के फ्लोरेंस और चेक गणराज्य के प्राग ने अपने पुराने शहर के केंद्रों को वाहनों से मुक्त कर 'पेडेस्ट्रियन ज़ोन' में बदल दिया है. इसके विपरीत, हमने राजवाड़ा को अनियंत्रित यातायात, संकरी गलियों और अतिक्रमण के हवाले कर दिया है, जिसके कारण पर्यटक यहाँ घुसने से कतराते हैं। राजवाड़ा के आसपास शिवविलास पैलेस, गोपाल मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर, कृष्णपुरा छतरियां, इंदौर बैंक जैसी ऐतिहासिक महत्व की इमारतें और गलियारे हैं। लेकिन इस क्षेत्र की पहचान केवल 'मास मार्केट' के रूप में होना इसके 'हेरिटेज वैल्यू' को कम करता है। व्यावसायिक होर्डिंग्स और बिजली के लटकते तारों ने ऐतिहासिक इमारतों की मौलिकता को ढक दिया है।

-**राजकुमार जैन,** खालिस इंदौरी

आंचलिक

सनावद में 12.650 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त, 3 गिरफ्तार:रतलाम से लाए थे मादक पदार्थ, वाहन चेकिंग में पकड़े गए

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिले के सनावद में पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान वाहन चेकिंग में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 12 ग्राम 650 मिलीग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब 1.25 लाख रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत की गई। अनाज मंडी क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक बुलेट बाइक को रोकने की कोशिश की, लेकिन सवार युवक भागने लगे। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी पवन वर्मा और मोईन शेख की तलाशी में ब्राउन शुगर मिली। पवन के पास से 9.120 ग्राम और मोईन के पास से 3.530 ग्राम नशा बरामद हुआ। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह नशा रतलाम के आमिन खान उर्फ महाराज से लाया गया था। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी पवन पर पहले से चार और आमिन पर तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब पूरे ड्रग नेटवर्क की जांच कर रही है और अन्य सप्लायरों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

5 एकड़ खाली जमीन की सूखी घास में आग, नए तहसील ऑफिस के पास धुएं के गुबार उठे, दमकलकर्मियों ने पाया काबू

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह • इंदौर रोड पर नए तहसील ऑफिस के पास रविवार दोपहर करीब 1 बजे हड़कंप मच गया, जब वहां मौजूद 5 एकड़ खाली जमीन की सूखी घास में अचानक आग लग गई। बढ़ती गर्मी के साथ ही इलाके में आगजनी की घटनाएं भी बढ़ने लगी हैं। आग इतनी तेजी से फैली कि आसमान में धुएं का काला गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। आग लगने की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम एक्शन में आई, लेकिन रास्ता ऊबड़-खाबड़ होने की वजह से दमकल की गाड़ियों को मौके तक पहुंचने में काफी परेशानी हुई। दमकलकर्मी अतीक शेख और उनकी टीम ने मोर्चा संभाला और एक गाड़ी पानी की मदद से फैलती लपटों पर काबू पाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने भी स्थिति का जायजा लिया। जहां आग लगी थी, वहां से कुछ ही दूरी पर लोगों के मकान हैं, जिससे रहवासियों में डर का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में आए दिन आग लगती रहती है। अभी दो दिन पहले भी यहां सूखी घास में आग धधक उठी थी, जिसे लोगों ने खुद ही मेहनत करके बुझाया था। दमकलकर्मी अतीक शेख ने बताया कि करीब आठ दिन पहले भी इसी जगह के पास ऐसी ही घटना हुई थी, जिसे दमकल ने बुझाया था। फिलहाल आग लगने की असली वजह सामने नहीं आई है, लेकिन सही समय पर लपटों को रोकने से एक बड़ा हादसा टल गया और आग पास की बस्ती तक नहीं पहुंच पाई।

नर्मदा में डूबा छात्र, गोताखोरों ने सीपीआर देकर बचाई जान

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • महेश्वर में रविवार शाम नर्मदा स्नान के दौरान एक छात्र डूबते-डूबते बच गया। इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रहा 20 साल का आरुष जैन अपने परिवार के साथ घूमने आया था, तभी नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया। शाम 4 बजे जब आरुष डूबने लगा, तो घाट पर तैनात गोताखोरों ने बिना वक्त गंवाए नदी में छलांग लगा दी। आरुष को तैरना आता था, लेकिन पानी के तेज बहाव और गहराई की वजह से वह खुद को संभाल नहीं पाया। जब उसे बाहर निकाला गया, तो उसकी हालत काफी नाजुक थी।

मौके पर दिया गया सीपीआर

गोताखोरों ने समझदारी दिखाते हुए किनारे पर ही आरुष को सीपीआर दिया, जिससे उसकी थमी हुई सांसें फिर से चलने लगीं। इसके बाद पुलिस की गाड़ी से उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर देखरेख के लिए इंदौर रेफर कर दिया है। आरुष असल में रायसेन जिले के सिलवानी का रहने वाला है।

जिला अस्पताल की खराब लिफ्ट चालू, मरीजों और अटेंडरों को ऊपरी मंजिल पर जाने में मिलेगी राहत

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर• स्व. नंदकुमार सिंह चौहान जिला अस्पताल में लंबे समय से खराब पड़ी लिफ्ट को मरम्मत के बाद फिर से चालू कर दिया गया है। इससे मरीजों, विशेषकर दिव्यांगों और बुजुर्गों, तथा उनके अटेंडरों को ऊपरी मंजिलों पर आने-जाने में हो रही परेशानी से राहत मिली है। अस्पताल प्रबंधन ने इस समस्या का संज्ञान लेते हुए रविवार को बाहर से तकनीशियन बुलाकर लिफ्ट की मरम्मत करवाई। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद रविवार से लिफ्ट सुचारू रूप से काम कर रही है। सिविल सर्जन डॉ. दर्पण टोके ने बताया कि लिफ्ट शुरू होने से सर्जिकल, मेडिकल और ओटी (ऑपरेशन थिएटर) वाले मरीजों को काफी सुविधा होगी। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के लिए इसे बड़ी राहत बताया। यह पहली बार नहीं है जब जिला अस्पताल की लिफ्ट खराब हुई हो। अक्सर तकनीकी खराबी के कारण बंद हो जाती है, जिससे मरीजों को, खासकर बुजुर्गों और महिला मरीजों को, काफी असुविधा होती है। पहले अस्पताल छोटा था और उसमें लिफ्ट नहीं थी, लेकिन कुछ साल पहले कलेक्ट्रेट रोड पर लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से नया अस्पताल बनाया गया, जिसमें मरीजों की सुविधा के लिए लिफ्ट भी लगाई गई थी।

सिविल सर्जन ने आश्वासन दिया कि अस्पताल प्रशासन यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि यह सुविधा निरंतर उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में कोई खराबी आती है, तो उसे तत्काल दुरुस्त करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

ईदगाहों पर अदा हुई ईद की नमाज, रोजों के बाद गले मिलकर दी मुबारकबाद और बांटी सिवैयां

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर• मुस्लिम समाज ने शनिवार को ईदुल फितर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया। शहर की तीन प्रमुख ईदगाहों और सभी मस्जिदों में ईद की विशेष नमाज अदा की गई। एक माह तक रोजे रखने के बाद चांद दिखने पर यह त्योहार मनाया जाता है। शाही जामा मस्जिद के अतिरिक्त सिंधी बस्ती स्थित शाही ईदगाह में सुबह 7:15 बजे, सिलमपुरा स्थित फारूकी ईदगाह में सुबह 7:30 बजे और गणपति नाका स्थित कदमे रसूल ईदगाह में सुबह 7:15 बजे ईदुल फितर की नमाज अदा की गई। इस दौरान देश और दुनिया में अमन, शांति तथा भाईचारे के लिए दुआएं मांगी गईं।नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की शुभकामनाएं दीं। समाजजन एक-दूसरे के घरों पर पहुंचे और शिरखुरमा व सिवैयां खिलाकर मुंह मीठा कराया, जिससे त्योहार की खुशियां और बढ़ गईं। बच्चों में भी इस दौरान खासा उत्साह देखा गया।

आदिरंग महोत्सव में भीली गायन गणगौर नृत्य की प्रस्तुति:3 दिनी समारोह का आज समापन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले के नया हरसूद (छनेरा) के स्टेडियम ग्राउंड में जनजातीय नृत्य, संगीत एवं शिल्प कलाओं पर आधारित तीन दिवसीय 'आदिरंग' महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार रात देशभर की लोक संस्कृति की प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके और प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने जनजातीय महापुरुषों के योगदान और समाज के विकास पर बात की। उड़ीसा के ढीमसा सहित कई लोक नृत्यों ने दर्शकों का मन मोहा। महोत्सव का समापन आज (रविवार) मध्यप्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया और केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर की उपस्थिति में होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनजातीय समाज के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय ऐतिहासिक है। साथ ही उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुंडा, टंट्या भील, शंकर शाह और रघुनाथ शाह के योगदान को याद किया। प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि 'आदिरंग' महोत्सव के माध्यम से विभिन्न जनजातियों की समृद्ध कला और संस्कृति को एक मंच मिल रहा है। उन्होंने छनेरा जैसे छोटे नगर में राज्य स्तरीय आयोजन की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताया। विधायक कंचन तन्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। महोत्सव के दूसरे दिन भीली गायन, गणगौर नृत्य, ढीमसा नृत्य, लहंगी नृत्य, बरेदी नृत्य, सौंगी मुखौटा और भवाड़ा नृत्य जैसी आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। इनमें उड़ीसा के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत ढीमसा लोक नृत्य ने विशेष रूप से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कांग्रेस संगठन में नियुक्तियों पर सवाल उठे, लिस्ट में नाम 'बाहरी' और 'करीबी' नंबर का

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा कांग्रेस के जिला संगठन में एक दिन पहले हुई ब्लॉक अध्यक्षों और किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष की नियुक्तियों को लेकर पार्टी के भीतर घमासान शुरू हो गया है। बाहरी व्यक्तियों, बिना दावेदारी करने वालों और विधानसभा चुनाव में कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे नेताओं को पद मिलने से कांग्रेस के ही नेता सोशल मीडिया पर संगठन को घेर रहे हैं। विवाद के चलते खालवा ब्लॉक के एक नेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है, वहीं कांग्रेस प्रत्याशी रही रूपाली बारे के समर्थक अब इन नियुक्तियों को लेकर संगठन प्रभारी के समक्ष आपत्ति दर्ज कराने की तैयारी में हैं। मामला तब सबसे ज्यादा गर्मा गया, जब प्रदेश संगठन ने देर शाम किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष की सूची जारी की। इसमें इंदौर के रहने वाले सोनू गुर्जर पहलवान को खंडवा का जिलाध्यक्ष बना दिया गया। लिस्ट में नाम तो सोनू गुर्जर का था, लेकिन उनके नाम के आगे मोबाइल नंबर संजय पाटीदार का लिखा हुआ था। संजय पाटीदार ने इस पद के लिए दावेदारी की थी। सोनू गुर्जर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बहनोई राबर्ट वाड्रा का करीबी बताया जाता है, जबकि संजय पाटीदार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के करीबी माने जाते हैं। इस मामले पर कांग्रेस नेता नारायणसिंह तोमर ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लिखा कि, 'गुर्जर को बधाई देने फोन लगाया तो पाटीदार को लग गया।' उन्होंने आगे लिखा कि 'क्या खंडवा में कोई किसान नहीं मिला '। किसान कांग्रेस के अलावा ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर भी भारी विरोध है। छैगांवमाखन ब्लॉक का अध्यक्ष जयेश पटेल को बनाया गया है, जिन पर 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप हैं। बताया जा रहा है कि जयेश पटेल ने चुनाव में भाजपा प्रत्याशी छाया मोरे का सपोर्ट किया था। वर्तमान में भी वे विधायक मोरे के करीबी होकर क्षेत्र में ठेकेदारी कर रहे हैं।

अटल जी की स्मृति में आयोजित अंतर महाविद्यालय फुटबॉल ओर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अटल बिहारी वाजपेई जी की स्मृति में आयोजित अंतर महाविद्यालय फुटबॉल ओर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल कॉलेज में किया गया। जिसमें लगभग 20 कॉलेज की टीमों ने दोनों खेलो में हिस्सा लिया, जिसमें वॉलीबॉल खेल के विजेता स्वामी विवेकानंद कॉलेज रहा और उपविजेता इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी रहा। बेस्ट अटैकर रिजवान खान, बेस्ट डिफेंस विकास को दिया गया। फुटबॉल का फाइनल मुकाबला मेजबान ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल कॉलेज विरुद्ध इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज के मध्य खेला गया, फाइनल मुकाबला बहुत ही रोमांचक हुआ, दोनों ही टीमों के बीच फुल टाइम तक स्कोर 1-1 गोल की बराबरी पर रहा। जिसमें पहला गोल मैच के पहले हॉफ के 12 वे मिनट में विनीत कल्याणे ने ऑक्सफोर्ड कॉलेज के लिए किया व दूसरे हॉफ में 16 मिनिट में लव जाट ने क्रिश्चियन कॉलेज के लिए गोल किया व मैच बराबरी पर समाप्त हुआ। जिसके चलते एक्स्ट्रा टाइम मैच खिलाया गया उसमें भी कोई निर्णय नहीं निकला इसलिए मैच का निर्णय निकालने के लिए पेनल्टी शूटआउट कराया गया। जिसमें इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज विजय रहा क्रिश्चियन कॉलेज से जयेश शर्मा, साहिल कुरेशी, प्रथम, उदय और मानस ने अपनी टीम के लिए गोल किए व पेनल्टी शूटआउट से क्रिश्चियन कॉलेज ने जीत दर्ज की ऑक्सफोर्ड कॉलेज से तुषार, राजदीप ने उम्दा प्रदर्शन किया संस्था प्रमुख अक्षांशु तिवारी जी व प्राचार्य डॉ विशाल पुरोहित जी के द्वारा विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और केस प्राइस अवार्ड दिया गया।

केकेआर के गेंदबाज आकाशदीप आईपीएल से बाहर हुए

कोलकाता (एजेंसी) • कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज आकाश दीप चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गये हैं। ऐसे में केकेआर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। आकाशदीप जैसे बेहतरीन गेंदबाज की कमी पूरी करना आसान नहीं है। इसी कारण अब टीम प्रबंधन नए विकल्प तलाशने में लग गयी है। इसी कारण अब उसकी नजरें तेज गेंदबाज़ आकाश मधवाल को शामिल करने पर लगी हैं। आकाश ने पूर्व में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेला है। आकाश दीप को केकेआर ने प्रमुख ने तेज़ गेंदबाज़ के तौर पर रखा था पर वह फिट नहीं होने से लीग से बाहर हो गये हैं। वह पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव से परेशान हैं। इसी कारण उन्हें करीब तीन महीने तक खेल से दूर रहना पड़ेगा। इससे साफ हो गया है कि वह इस पूरे सत्र में नहीं खेलेंगे। केकोर का को इस प्रकार दूसरा झटका लगा है। इससे पहले उनके तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा भी चोटिल होने के कारण सत्र से बाहर हो गये थे। अपने दो प्रमुख गेंदबाजों के खोने का प्रभाव मैच में नजर आयेगा। राणा को विश्वकप से पहले ही अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। दो तेज गेंदबाजों के बाहर होने से केकेआर की गेंदबाजी इकाई काफी कमजोर नजर आ रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर अब मधवाल को आकाश दीप के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल करने की योजना बना रही है। मधवाल पहले मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं और आईपीएल में अपने प्रदर्शन से पहचान बना चुके हैं।

आईपीएल में वापसी के लिए श्रेयस को बढ़ाना पड़ा वजन

मोहाली (एजेंसी) • पंजाब किंग्स टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह आईपीएल सत्र के लिए तैयार हैं। श्रेयस ने कहा कि कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और नए सत्र के लिए तैयार हैं। इस दौरान श्रेयस ने उस समय को याद किया जब ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के कारण उनका वजन भी काफी कम हो गया था। जिसे फिर से बढ़ाने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। श्रेयस को अक्टूबर में भारत की ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई एकदिवसीय सीरीज के दौरान पेट में गंभीर चोट लग गई थी। जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भी रहना पड़ा था। इसी कारण वह कई हफ्तों तक टीम से बाहर रहे और उन्हें रिहैब से भी गुजरना पड़ा। वहीं अब श्रेयस ने कहा है कि वह दौर उनके लिए काफी कठिन था। साथ ही कहा, ' चोट के बाद वापसी करना हमेशा ही कठिन होता है। मेरा वजन भी तकरीबन 7 किलो कम हो गया था पर राहत की बात ये रही कि दो माह बाद मैं फिर से फिट हो गया।' इस बल्लेबाज ने कहा, '7 किलो वजन दोबारा बढ़ाना उनके लिए काफी कठिन काम था। मुझे चुनौतियां पसंद हैं और ये भी एक बड़ी चुनौती थी जिसे निकलना था। मैं खुश हूं कि उस दौर से निकलकर अब फिर से अपनी टीम से खेलने तैयार हूं।

संदीपा धर पर पड़ा नीना गुप्ता के काम और किस्मत को लेकर नजरिये का गहरा असर

मुंबई (एजेंसी) • संदीपा धर ने हाल ही में अपने आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज़ 'चुंबक' की शूटिंग के दौरान अभिनेत्री नीना गुप्ता से मिली एक बेहद खास सलाह के बारे में खुलकर बात की। सेट पर हुई बातचीत को याद करते हुए संदीपा ने बताया कि नीना का काम और किस्मत को लेकर नजरिया उन पर गहरा असर छोड़ गया। इस पल को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'नीना गुप्ता मुझसे अक्सर कहती हैं कि उन्होंने एक छोटी-सी स्टूडेंट फिल्म की थी, और उसी की वजह से उन्हें 'बधाई हो' मिली। वो कहती हैं कि कौन-सी फिल्म, कौन देखेगा और कहां देखेगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। तुम्हारा काम एक एक्टर के तौर पर, बस काम करते रहना है और अच्छा काम करना है, ताकि कहीं न कहीं कोई तुम्हें देखे और सोचे कि शायद तुम किसी और प्रोजेक्ट के लिए सही हो।' गौरतलब है कि अपने को-स्टार संदीपा धर को दी गई नीना गुप्ता की अनुभव और धैर्य से भरी यह सलाह, उनके अपने करियर सफर को भी दर्शाती है, जहां लगातार मेहनत और जुनून ने उन्हें 'बधाई हो' जैसी बड़ी सफलता दिलाई। हालांकि संदीपा के लिए इस सलाह का सार बेहद साफ है और वो है ,कि हमें नतीजों की बजाय अपने हुनर पर ध्यान देना चाहिए। विशेष रूप से तुरंत सफलता और पहचान की चाह रखनेवाले इस दौर में, 'बस काम करते रहो' जैसी सीख बेहद प्रेरणादायक और जमीन से जोड़ने वाली है।

वही काम चुनती हूं जो दिल को खुशी दे: दिव्या दत्ता

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने कई यादगार भूमिकाएं निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। तीन दशक से अधिक लंबे अपने फिल्मी सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वह हमेशा वही काम चुनती हैं, जिसमें उन्हें सच्ची खुशी मिलती है। दिव्या का मानना है कि अभिनय सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव है जिसे पूरी तरह जीना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे किरदार निभाना पसंद है, जिनसे उनका भावनात्मक जुड़ाव हो सके। उनके अनुसार, वह ऐसे सेट पर काम करना चाहती हैं जहां माहौल सकारात्मक हो, जहां वह खुलकर मुस्करा सकें, हंस सकें और अपने किरदार में पूरी तरह ढल सकें। उनके लिए यह भी अहम है कि उनके काम को सराहा जाए और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिले। अपने करियर में दिव्या दत्ता ने विभिन्न भाषाओं और शैलियों में काम किया है।

उज्जैन संभाग

महाकाल मंदिर के गार्ड की सड़क हादसे में मौत, ड्यूटी से लौटते समय तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मारी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • चंदूखेड़ी बायपास मार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने महाकाल मंदिर के सिक्योरिटी गार्ड को टक्कर मार दी। इस हादसे में गार्ड की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम बलेड़ी निवासी 25 वर्षीय विशाल पिता गणपत परमार के रूप में हुई है। विशाल महाकाल मंदिर में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि वह अपनी ड्यूटी पूरी कर बाइक से घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। चंदूखेड़ी बायपास फोरलेन मार्ग पर राधेश्याम ढाबे के सामने एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण विशाल गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने ट्रक नंबर के आधार पर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विशाल महाकाल मंदिर में 'बी' शिफ्ट में ड्यूटी पर थे।

महान नायकों की गाथाएं, ओपन थिएटर और इमर्सिव अनुभव, उज्जैन का 138 साल पुराना कोठी पैलेस बनेगा म्यूजियम

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • धार्मिक नगरी उज्जैन अब एक और बड़ी पहचान की ओर बढ़ रही है। शहर का करीब 138 साल पुराना ऐतिहासिक कोठी पैलेस जल्द ही वीर भारत संग्रहालय के रूप में आकार लेने जा रहा है। मध्य प्रदेश सरकार करीब 20 करोड़ रुपए खर्च कर इस हेरिटेज इमारत का कायाकल्प कर रही है, जिसमें प्राचीन गौरव को सहेजते हुए आधुनिक संग्रहालय तैयार किया जाएगा। करीब पौने दो एकड़ में फैला यह भव्य कोठी पैलेस, जो कभी सिंधिया रियासत का अहम केंद्र रहा और लंबे समय तक कलेक्टर कार्यालय के रूप में इस्तेमाल होता रहा, अब इतिहास की नई कहानी कहेगा। नया कलेक्टर भवन बनने के बाद खाली पड़ी इस इमारत में अब तेजी से काम शुरू हो चुका है। एक साल में इसे आम लोगों के लिए खोलने की तैयारी है। इस संग्रहालय की खास बात यह होगी कि यहां प्राचीन काल से लेकर आधुनिक भारत तक के महान नायकों की गाथाएं एक साथ देखने को मिलेंगी। सम्राट विक्रमादित्य के युग से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक के वीरों की कहानियां यहां जीवंत रूप में प्रस्तुत की जाएंगी।

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष पद को लेकर दो फाड़

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन के मंगलनाथ रोड स्थित खाक चौक पर श्री पंच रामानंदीय निर्वाणी अखाड़े में रविवार को आठ अखाड़ों के संत-महंतों और पदाधिकारियों की बैठक हुई। इस दौरान महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव रविंद्र पुरी महाराज को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद का अध्यक्ष बताते हुए आगामी सिंहस्थ में उनके नेतृत्व में कुंभ मेले में भाग लेने की बात कही गई। इधर निरंजनी अखाड़े से जुड़े रविंद्र पूरी महाराज ने कहा कुम्भ आ रहा है ऐसे कई संत अपने आप को अध्यक्ष बतायेंगे। सर्वसम्मति से मुझे अध्यक्ष बनाया गया था। जब मेने इस्तीफा दिया नहीं तो महानिर्वाणी वाले रविंद्र पूरी कैसे अध्यक्ष बन सकते है। कार्यक्रम में महंत सत्यानंद महाराज (बड़ा उदासीन), महंत मंगलदास जी (नया अखाड़ा), महंत विनीत गिरी (महानिर्वाणी), महंत रामेश्वर दास, भगवान दास और दिग्विजय दास सहित विभिन्न अखाड़ों के संत-महंत शामिल हुए।

प्रयागराज कुंभ के बाद से अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर जारी खींचतान अब उज्जैन में भी दिखने लगी है। आगामी सिंहस्थ 2028 से पहले इस पद को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। 13 अखाड़ों में दो गुट नजर आ रहे हैं। एक धड़ा निरंजनी अखाड़े के रविंद्र पुरी को अध्यक्ष मानता है, जबकि दूसरा महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव रविंद्र पुरी को अध्यक्ष बता रहा है। निरंजनी अखाड़े के रविंद्र पुरी पिछले छह महीनों से अध्यक्ष के रूप में उज्जैन आते-जाते रहे हैं। इस दौरान प्रशासन ने उन्हें शिप्रा नदी प्रोजेक्ट सहित मेले की तैयारियों की जानकारी भी दी। वहीं रविवार को महानिर्वाणी, अटल, निर्मोही, दिगंबर, निर्वाणी अणी, बड़ा उदासीन, नया उदासीन और निर्मल अखाड़े के संतों ने महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव रविंद्र पुरी का पुष्पमालाओं से स्वागत किया और उनके नेतृत्व में कुंभ आयोजन में शामिल होने की बात कही। रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि वैष्णव अखाड़े में सामान्य शिष्टाचार के तहत बैठक रखी गई थी। उन्होंने दावा किया कि हरिद्वार में बहुमत के आधार पर उन्हें अध्यक्ष चुना गया था और वर्तमान में वही इस पद पर हैं। उन्होंने इसे विचारों का मतभेद बताते हुए कहा कि ऐसा पहले भी होता रहा है। किन्नर अखाड़े से जुड़े सवालों पर उन्होंने प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। महाकालेश्वर मंदिर स्थित महानिर्वाणी अखाड़े के महंत गादीपति विनीत गिरी महाराज के इस्तीफे के मामले में नया मोड़ आ गया है। विनीत गिरी ने अपने इस्तीफे से यू-टर्न ले लिया है। उन्होंने इस्तीफा देने से मना कर दिया और सिर्फ इस्तीफे की पेशकश की बात कही है।

तरणताल पर उमड़ी भीड़, व्यवस्था पहले ही दिन फेल, पुलिस लगाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • देवास रोड स्थित तरणताल स्वीमिंग पूल में 7 दिन की नि:शुल्क तैराकी सुविधा के चलते लोगों की भीड़ ने निगम के प्रबंधन को पहले दिन ही फेल कर दिया। शनिवार शाम व्यवस्था बड़ी चुनौती बन गई। शाम 5 बजे पूल खुलते ही इतनी भीड़ उमड़ी कि निगम के कर्मचारी भी हालात नहीं संभाल पाए। स्थिति बिगड़ती देख निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को बुलाना पड़ा। करीब 3 पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए पहले स्वीमिंग पूल के प्रवेश मार्ग का शटर बंद करवाया, फिर लाइन लगवाकर लोगों को नियंत्रित किया। लाउड स्पीकर से लगातार अनाउंसमेंट कर लोगों से धैर्य रखने की अपील की गई।

भीड़ के बावजूद लोग अपनी बारी के इंतजार में डटे रहे और कुछ समय बाद तो तरणताल के मुख्य मार्ग पर ताला लगा दिया, ताकि और अधिक लोग इकट्ठा न हो और कई लोग इसके चलते बाहर से लौट गए। इस बीच छोटे-छोटे बच्चे अपनी बारी के इंतजार में 45 मिनट तक खड़े रहे और तब भी बारी नहीं आने पर कुछ को बिना स्वीमिंग किए लौटना पड़ा। निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने स्पष्ट किया कि पूल में एक समय में 60 लोगों की सीमा तय है। संख्या पूरी होने पर प्रवेश नहीं दिया जा सकता।

शिफ्ट व्यवस्था

फैमिली के लिए भीजारी शैड्यूल सुबह 6 से 10 बजे तक का शैड्यूल इस प्रकार है। इसमें सुबह 6 से 7.30 बजे तक पुरुष, फिर 7.30 से 8.15 बजे तक महिला, 8.15 से 9 बजे पुरुष और इसके बाद 9 से 9.45 महिला वर्ग तैराकी कर सकेंगी। इसी तरह शाम को शाम 5 से 8 बजे तक में 5 से 5.45 तक पुरुष, 5.45 से 6.30 तक महिला, 6.30 से 7.15 तक फैमिली तथा 7.15 से 8 बजे पुरुष के लिए शैड्यूल तय किया है।

आगर में 353 क्विंटल गेहूं लोड ट्रक लापता, व्यापारी के साथ मंडी के लोगों ने थाने में की शिकायत

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा • आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में लाखों रुपए के गेहूं से भरा एक ट्रक रहस्यमयी तरीके से लापता हो गया है। इस घटना से नाराज होकर शुक्रवार रात अनाज मंडी के कई व्यापारियों ने पीड़ित व्यापारी के साथ थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की और कार्रवाई की मांग की। नलखेड़ा के 'पुनित ट्रेडर्स' के मालिक पुनित कुमार कांठेड़ ने 16 मार्च 2026 को एकता ट्रांसपोर्ट कंपनी के एक ट्रक में करीब 353 क्विंटल गेहूं लोड करवाया था। यह माल पंजाब के राजपुरा भेजा जाना था, जिसकी कुल कीमत 8 लाख 96 हजार 620 रुपए बताई जा रही है। 17 मार्च को ट्रक यहां से रवाना तो हुआ, लेकिन अपनी मंजिल तक नहीं पहुंचा।

जब गेहूं समय पर नहीं पहुंचा, तो खरीदार कंपनी ने व्यापारी को इसकी जानकारी दी। पीड़ित व्यापारी का आरोप है कि उन्होंने जब ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक उस्मान और अनीस से संपर्क किया, तो उन्हें कोई सही जवाब नहीं मिला। व्यापारी को शक है कि इस धोखाधड़ी में ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिकों का हाथ हो सकता है।

व्यापारियों ने घेरा थाना

इस घटना की खबर मिलते ही मंडी के अन्य व्यापारी भी पुनित के समर्थन में उतर आए। सभी ने मिलकर नलखेड़ा थाने में आवेदन दिया और मांग की कि या तो आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया जाए या फिर माल की पूरी कीमत दिलवाई जाए। पुलिस ने व्यापारियों की शिकायत ले ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर के कुणाल पंचोली को प्रदेश स्तर पर मिली अहम भूमिका, प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में सक्रिय भूमिका निभाने वाले युवा मॉडल, अभिनेता, इन्फ्लुएंसर पं कुणाल पंचोली को भारतीय पत्रकार संघ द्वारा मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष सोशल मीडिया विभाग के पद पर नियुक्त किया गया। संगठन द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में उनकी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर प्रभावशाली उपस्थिति और समाज से जुड़े मुद्दों पर सक्रियता को प्रमुख आधार बताया गया है। संगठन का मानना है कि पंचोली की नियुक्ति से सोशल मीडिया के माध्यम से पत्रकार संघ की पहुंच और अधिक सशक्त होगी तथा संगठन की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर पहचान मिलेगी। साथ ही पत्रकारों के हितों एवं उनकी आवाज को मजबूती देने में भी यह नियुक्ति महत्वपूर्ण साबित होगी। नियुक्ति के पश्चात कुणाल ने कहा कि वे इस दायित्व को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाते हुए संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

समाधान योजना की अंतिम तिथि निकट, अब तक 8.22 लाख को मिला लाभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 31 मार्च तक लागू 3 माह से अधिक के बकाया बिलों के लिए समाधान योजना का लाभ लेने की अपील की है। इसके अंतर्गत पुराने बकाया बिलों के एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज राशि पर 70 से 90 प्रतिशत तक एवं किश्तों में बिल भुगतान का विकल्प चुनने पर 50 से 60 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। अब तक पश्चिम क्षेत्र कंपनी ने करीब 35 करोड़ की छूट दी है।

व्यवस्था सवालों में : शहर में गहराता जलसंकट, 50 प्रतिशत भूजल दूषित सप्लाई में भारी लीकेज और केमिकल प्रदूषण ने बढ़ाई चिंता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आर्थिक रूप से मजबूत और स्वच्छता में अग्रणी शहर इंदौर अब गंभीर जल संकट और पानी की गुणवत्ता के खतरे से जूझ रहा है। 78 किलोमीटर दूर से लाने पर हर साल 300 करोड़ रुपये से अधिक बिजली खर्च करने के बावजूद शहर की जल व्यवस्था सवालों के घेरे में है। शहर की केवल करीब 70 प्रतिशत आबादी तक ही पानी पहुंच पा रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि सप्लाई का 25-30त्न पानी लीकेज में ही बह जाता है, जिससे वितरण व्यवस्था की खामियां साफ उजागर हो रही हैं।

पानी की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल-भगीरथपुरा घटना के बाद पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंता और बढ़ गई है। हाल ही में लिए गए 26 सैंपलों में से 14 दूषित पाए गए, जो यह दर्शाता है कि शहर का पेयजल पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दिसंबर 2025 से अब तक शहर का लगभग 50 प्रतिशत भूजल दूषित हो चुका है। इसके पीछे कई बड़े कारण सामने आए हैं- 50-60 साल पुराने जर्जर ट्यूबवेल और पाइपलाइन। ड्रेनेज और सीवेज का पानी मिलना। सांवेर रोड, पलदा और भगीरथपुरा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाले केमिकल नदियां भी बनीं प्रदूषण की वजह बन रहा है। जहां आमतौर पर नदियां भूजल को रिचार्ज करती हैं, वहीं इंदौर में कान्ह और सरस्वती नदियां उल्टा भूजल को प्रदूषित कर रही हैं। इनका गंदा पानी जमीन में रिसकर स्थिति को और गंभीर बना रहा है।

लोगों को नहीं मिल रही सही जानकारी

विशेषज्ञों के अनुसार, पानी की गुणवत्ता की रिपोर्ट उपभोक्ताओं को बिल के साथ देना अनिवार्य है, लेकिन यह नियम जमीनी स्तर पर लागू नहीं हो रहा। इससे लोग यह जाने बिना पानी पी रहे हैं कि वह सुरक्षित है या नहीं। भूजल विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि पानी में क्लोराइड और नाइट्रेट का बढ़ता स्तर गंभीर खतरे की ओर इशारा कर रहा है। तय सीमा से ज्यादा क्लोराइड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इंदौर का जल संकट अब केवल सप्लाई की समस्या नहीं, बल्कि एक बड़ा पर्यावरण और स्वास्थ्य संकट बन चुका है। समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भयावह हो सकती है।

टीईटी को लेकर शासन द्वारा रिव्यू पिटीशन लगाने चली नोटशीट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने वाले आदेश के बाद शिक्षकों में अफरा-तफरी का माहौल है। मप्र शिक्षक संघ के ज्ञापन के बाद शासन स्तर पर रिव्यू पिटीशन लगाने के लिए की तैयारी कर ली गई है। इसके लिए मंत्री के आदेश पर नोटशीट चलाकर विधिक सलाह ली जा रही है। वहीं शासकीय शिक्षक संगठन की विधि समिति को सुप्रीम कोर्ट के वकील ने कहा है कि रिव्यू पिटीशन का एक माह का समय समाप्त हो गया है, अब मल्टीपल पिटीशन ही लगाई जा सकती है। फिलहाल शिक्षकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। विगत दिवस मप्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष क्षत्रवीरसिंह राठौर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल स्कूल शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह से मिला था।

शा. शिक्षक संगठन का विधि दल दिल्ली रवाना-इधर शासकीय शिक्षक संगठन की विधि दल 20 मार्च को राजेश पाण्डेय के नेतृत्व में दिल्ली रवाना हो गया है। वहां सुप्रीम कोर्ट के वकील से चर्चा हुई है। लेकिन उन्होंने कहा है कि नियमानुसार रिव्यू पिटीशन एक माह के अंदर लगाई जा सकती है। टीईटी का फैसला सितंबर 2025 में आया है। इसलिए अब रिव्यू पिटीशन नहीं लगाई जा सकती है। इसकी जगह मल्टीपल पिटीशन (विविध याचिका) लगानी होगी। मल्टीपल पिटीशन नियम विरुद्ध आदेश के विरोध को लेकर लगाई जाती है।

संयुक्त मोर्चा के गठन के लिए बैठक 29 को-शासकीय शिक्षक संगठन ने शिक्षकों की सुरक्षा व समय अभाव को दृष्टिगत रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय में अपना पक्ष रखने का निर्णय लिया है। सरकार पर दबाव बनाने के लिये आगामी 29 मार्च को राजधानी में म.प्र. शासकीय शिक्षक संगठन ने प्रदेश के समस्त शिक्षक संगठनों के प्रांताध्यक्ष, प्रांतप्रमुख की टीईटी व अन्य ज्वलंत मुद्दों के निराकरण हेतु सयुक्तमोर्चा के गठन के लिए प्रदेश सभी शिक्षक संगठनों से उपस्थित होने का आह्वान किया है।

इंदौर में संघ का बड़ा आयोजन 753 स्वयंसेवक विद्यार्थी जुटे

नेहरू स्टेडियम में हुआ महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्य का शाखा संगम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह कृष्णगोपाल की उपस्थिति में इंदौर विभाग के महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्य का शाखा संगम कार्यक्रम नेहरू स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस आयोजन में 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के कुल 753 स्वयंसेवक शामिल हुए, जो 87 शाखाओं का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के बीच संगठन के कार्य का विस्तार, दृढ़ीकरण तथा नए युवाओं को शाखा से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को संगठित करने और समरसता के भाव को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

अपने उद्बोधन में सह सरकार्यवाह कृष्णगोपाल ने कहा कि भारत का उद्भव अन्य देशों की तरह भाषा, नस्ल यासंप्रदाय के आधार पर नहीं, बल्कि आध्यात्मिक आधार पर हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति अनेकता में एकता की भावना को समाहित करती है और यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने डॉ. हेडगेवार के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की पराधीनता का कारण आत्मगौरव का हास रहा और इसका समाधान समाज को संगठित कर सांस्कृतिक चेतना जागृत करना है।

मौसम का अजीब मिजाज दिन में गर्मी रात में ठंडक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में एक दिन पहले आंशिक बादल छाए रहने के बाद रविवार को आसमान फिर साफ हो गया, जिससे मौसम में बदलाव के संकेत मिले हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार... मौजूदा मौसम प्रणाली कमजोर पड़ने से आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। रविवार को अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री कम रहा, लेकिन शनिवार के 30.6 डिग्री सेल्सियस की तुलना में अधिक था। न्यूनतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री कम है। शाम 5:30 बजे तक तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो धीरे-धीरे गर्मी बढ़ने का संकेत है। इससे पहले शुक्रवार रात तापमान 15 डिग्री तक गिर गया था, जिससे सुबह के समय हल्की ठंडक महसूस हुई।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार... क्षेत्र में सक्रिय विभिन्न प्रणालियों के कारण हाल के दिनों में उतार-चढ़ाव देखा गया। मध्य क्षोभमंडल में पश्चिमी विक्षोभ, पश्चिम राजस्थान व आसपास चक्रवाती परिसंचरण और मध्यभारत में सक्रिय उपोष्णकटिबंधीय जेट स्ट्रीम इसका कारण रहे। आईएमडी भोपाल की मौसम विज्ञानी दिव्या सुरेंद्रन के अनुसार 25 मार्च तक प्रदेश में कोई चेतावनी नहीं है।

नामांतरण के मामले में तहसीलदार याचना दीक्षित का तबादला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर कलेक्टर ने शनिवार रात तीन तहसीलदारों के तबादले कर दिए है। इनमें राऊ तहसील तहसीलदार याचना दीक्षित का नाम भी शामिल है। बताया जा रहा है कि जमीन नामांतरण मामले में नाम आने के बाद उनका तबादला किया गया है। उन्हें तहसीलदार राऊ के पद से हटाकर भूअभिलेख शाखा इंदौर भेजा गया है। राऊ तहसील की जिम्मेदारी अपर तहसीलदार राऊ सत्येन्द्र गुर्जर को दी गई है। तहसीलदार याचना दीक्षित को हटाया गया है।

तबादला आदेश की जानकारी:राकेश श्रीवास्तव - पहले अपर तहसीलदार थे, अब उन्हें तहसीलदार, तहसील सरवट के पद पर नियुक्त किया गया है।

सत्येंद्र गुर्जर - पहले अपर तहसीलदार राऊ थे, अब उन्हें तहसीलदार, तहसील राऊ के पद पर नियुक्त किया गया है।

याचना दीक्षित - पहले तहसीलदार राऊ, अब उन्हें तहसीलदार राऊ के पद पर भेजा गया है।

यह था पूरा मामला-इंदौर की राऊ तहसील में पूर्व में सरकारी पट्टे पर दी गई जमीन के नामांतरण को लेकर तहसीलदार याचना दीक्षित उलझी थीं। यह जमीन मप्र शासन, प्रशासन द्वारा कुछ लोगों को पट्टे पर दी गई थी। बाद में इसमें तत्कालीन अपर कलेक्टर द्वारा 1991 में इसे बेचने की मंजूरी दी गई। इसके बाद जमीन बिक गई।

साल 2021 में भी इस जमीन के नामांतरण का मुद्दा उठा तब तत्कालीन एसडीएम प्रतुल सिन्हा ने इसे मीसल बंदोबस्त सरकारी रिकार्ड में सरकारी बताते हुए खारिज कर दिया था। साथ ही आवेदकों द्वारा अपर कलेक्टर द्वारा जमीन बेचने संबंधी 1991 के आदेश की मूल कापी नहीं पेश करते हुए केवल फोटोकापी दी थी। इन सभी कारणों का हवाला देकर आवेदन निरस्त हो गया था।

पहले तहसीलदार ने खारिज कर दिया-इस सर्वे नंबर को लेकर नामांतरण मामले तहसीलदार कोर्ट में लगी। पहले इसे खारिज कर दिया गया, क्योंकि पटवारी की रिपोर्ट थी कि जमीन मिसल बंदोबस्त में सरकारी है। इसके बाद इसमें आवेदक ने 35(3) के तहत आवेदन लगाया कि उनका पक्ष सुना नहीं गया।

साथ ही बताया कि अपर कलेक्टर कोर्ट से पहले 1991 में ही बेचने की मंजूरी हो चुकी है और जमीन के पूर्व में भी नामांतरण हो चुके हैं। इसमें राजस्व रिकार्ड में आए अन्य नामों को भी तहसीलदार कोर्ट में बुलाया गया और बयान हुए। इसके बाद तहसीलदार कोर्ट ने जमीन नामांतरण के आदेश कर दिए। लेकिन इसके बाद इसमें विवाद हुआ और कलेक्टर इंदौर शिवम वर्मा के पास शिकायत पहुंची। इसके बाद इसमें जमीन की पूरी रिपोर्ट कलेक्टर ने तलब की है।

तहसीलदार ने यह कहा-तहसीलदार दीक्षित का इस मामले में कहना है कि पहले आवेदन खारिज किया, फिर उन्होंने आवेदन लगाया कि हमारा पक्ष नहीं सुना गया।

विकास के मामले में पिछड़ा एमपी बीजेपी सरकार दोषी : नाथ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लोकसभा के पूर्व सांसद नकुल नाथ शनिवार को विशेष विमान से इंदौर पहुंचे, जहां उन्होंने शोकसंतप्त परिवारों से मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त कीं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी संवाद किया। एयरपोर्ट पर पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष विनय बाकलीवाल ने उनकी अगवानी की।

नकुल नाथ सबसे पहले कांग्रेस नेता गजेंद्र वर्मा के निवास पहुंचे, जहां उनकी माताजी के निधन पर शोक व्यक्त किया। इसके बाद वे पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा के घर पहुंचे और उनकी धर्मपत्नी को श्रद्धांजलि दी। विजय नगर स्थित प्रवेश अग्रवाल के निवास पर भी उन्होंने शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। रतलाम कोठी स्थित विनय बाकलीवाल के निवास पर उनका कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। मीडिया से चर्चा में नकुल नाथ ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मध्यप्रदेश विकास के मामले में पिछड़ गया है। उन्होंने गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार को घेरा।

बिजली कंपनी के डिजिटल डेटा से खुलासा

इंदौर अग्निकांड : ईवी चार्जिंग बैटरी ब्लास्ट से ही लगी आग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में बंगाली चौराहे के पास बृजेश्वरी कॉलोनी के पुगलिया घर में हुए अग्निकांड में 8 लोगों की मौत हुई। इस मामले में उलझन तब बढ़ी जब पुगलिया के बेटे सौरभ पुगलिया ने दावा किया। सौरभ ने कहा कि ईवी कार का चार्जर कनेक्टेड ही नहीं था और यह आग कार चार्जिंग से नहीं, बल्कि बिजली के खंबे में हुए स्पार्क से लगी। लेकिन बिजली कंपनी ने इस दावे को गलत बताया। अब पुगलिया घर में लगे स्मार्ट मीटर का डिजिटल डेटा सामने आया है।

इस तरह ईवी कार चार्जिंग से हुआ ब्लास्ट-रात 11 बजे ईवी कार चार्जिंग पर लगी, इसके चलते घर का लोड 9 किलोवाट तक पहुंचा। रात 11 से 3 बजे तक कार चार्ज होती रही, स्मार्ट मीटर के कुल लोड डेटा से खुलासा। इसके बाद रात 3 बजे ऑटो कट हुआ और लोड कम हो गया। लेकिन रात 3:30 बजे फिर लोड बढ़ा, ईवी चार्जिंग ऑटो कट के बाद फिर खुद शुरू हो गई। इसके बाद ओवर चार्जिंग से बैटरी में ब्लास्ट की आशंका है। इससे आग लगी। अल सुबह 4:01 बजे फायर ब्रिगेड को आग की सूचना दी गई। अल सुबह 4 बजे 9 मिनट पर बिजली कंपनी को सूचना मिली। अल सुबह 4:15 बजे मीटर ऑटो कट हो गया, लोड शून्य हो गया। सुबह 4:28 बजे ट्रांसफॉर्मर बंद किया गया। छोटे बेटे ने भी माना था कार चार्जिंग पर लगी थी

मनोज पुगलिया के बड़े बेटे सौरभ ने भले ही यह बात कही थी कि कार ईवी चार्जिंग पर नहीं लगी थी, लेकिन घायल हुए छोटे बेटे हर्षित ने अलग बात कही थी। हर्षित ने कहा था कि वही कार चार्जिंग पर लगाता था और उस दिन उसी ने कार को रोजाना की तरह चार्जिंग पर लगाया था।

कार की हालत बता रही अंदर से लगी आग-वहीं कार कंपनी के इंजीनियर और एक्सपर्ट ने भी जांच की है। उन्होंने कलपुर्जे व अन्य सामान लिया है। एक टायर का व्हील कवर ब्लास्ट में उड़ गया है, तीन ठीक हैं। माना जा रहा है कि कार जिस तरह से जली है, उससे आग अंदर से लगी है। बिजली के खंबे के स्पार्क से आग लगना संभव नहीं क्योंकि कार की बॉडी मेटल की है। ऐसी हालत तभी हो सकती है जब कार में आग अंदर से लगी हो।

इस तरह से घटनाक्रम की संभावना-माना जा रहा है कि रात साढ़े तीन से पौने चार बजे के बीच में ईवी चार्जिंग फिर शुरू होने से बैटरी ओवर चार्ज हुई। ओवर हीटिंग या लूज कनेक्शन के चलते ब्लास्ट हुआ। इससे कार में आग लगी और यह फैलते हुए पास में खड़ी हायबूसा बाइक में लगी। इसके बाद घर में हाल ही में हुए इंटीरियर, फर्नीचर और मौजूद केमिकल के कारण तेजी से आग फैल गई। बाद में घर में रखे दो सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया, जिससे स्थिति भयावह हो गई।

अलग-अलग फ्लोर पर मिले शव-वहीं पुलिस द्वारा की गई जांच में तीन मंजिला घर में अलग-अलग फ्लोर पर शव मिले हैं। टीआई तिलकनगर मनीष लोधा के अनुसार विजय सेठिया और उनकी पत्नी सुमन सेठिया का शव ग्राउंड फ्लोर पर मिला है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।